www.navpradesh.com
दैनिक नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...
अंदर के पृष्ठों पर ♦♦ 2 | आंचलिक 4 | अभिव्यक्ति 7 | कारोबार/खेल
RNI NO - MPHIN/2020 /81503 जबलपुर, शनिवार 01 अगस्त 2026 , श्रावण कृष्ण पक्ष 3 , विक्रम संवत -2083 वर्ष -6 अंक - 01 पृष्ठ -08 मूल्य-4 रूपए
जबलपुर, भोपाल, रायपुर, बिलासपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

बहनों की शक्ति और आशीर्वाद से आगे बढ़ रहा मध्यप्रदेश: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नवप्रदेश/भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में महिला सशक्तिकरण का कार्य सरकार और सामाजिक दोनों स्तर पर हो रहा है। बहनें स्व-सहायता समूहों को नई ताकत दे रही हैं। कृषि, पशुपालन, बैंक, उद्यम सखियां भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। बहनों की सार्थक भूमिका से प्रत्येक परिवार में समृद्धि आ रही है। राज्य सरकार किसान कल्याण वर्ष मना रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनों की शक्ति और आशीर्वाद से प्रदेश आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में नगरीय निकायों और पंचायतों में 50 प्रतिशत स्थान बहनों के लिए आरक्षित है। सरकारी सेवाओं में बहनों के लिए 35 प्रतिशत स्थान आरक्षित रखे गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकसभा और राज्यसभा में बहनों के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं।

रोजगार दिलवाना प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार दिलवाने के लिये निरन्तर नई पहल कर रही है। मध्यप्रदेश में ग्वालियर अंचल में संचार क्षेत्र में नई इकाई की स्थापना की जाएगी। इससे 14 हजार नये रोजगार के अवसर सृजित होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने गत 17 सितम्बर को धार जिले में देश के पहले पीएम मित्र पार्क का शिलान्यास किया। पीएम मित्र पार्क से 3 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। कपास उत्पादक किसान इस पार्क से बड़ी संख्या में लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय बहुल क्षेत्र में जो पट्टे दिए गए हैं, उनकी निःशुल्क रजिस्ट्री भी करवाई जाएगी।

स्व-सहायता समूहों को राशि वितरित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों के सशक्तिकरण के लिए 300 करोड़ रुपये के ऋण का वितरण किया। इसमें झाबुआ जिले के 215 स्व-सहायता समूहों के लिए 10.8 करोड़ का ऋण भी शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने झाबुआ जिले को 174.64 करोड़ रुपये के 29 विकास कार्यों के भूमि-पूजन और 109.17 करोड़ रुपये के 28 विकास एवं आधारभूत संरचना कार्यों के लोकार्पण की सौगात दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया और मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजीविका मेला प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

प्राकृतिक खेती के लिए अनुकूल झाबुआ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि झाबुआ क्षेत्र प्राकृतिक खेती के लिए वरदान है। उन्होंने प्राकृतिक खेती करने वाले प्रगतिशील किसानों से संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए शासन की विभिन्न योजनाओं एवं प्रयासों पर चर्चा भी की। महिला कृषक बहनों ने बताया कि प्राकृतिक खेती से पिछले दो-तीन साल में जीवन में बड़ा बदलाव आया है। राज्य सरकार कृषि कल्याण वर्ष मना रही है। इसमें बहनों की बड़ी भूमिका है। हमारी बहनें ट्रैक्टर से लेकर ड्रोन तक चला रही हैं। ड्रोन दीदीयां खेतों में कीटनाशकों क छिड़काव कर रही हैं। इस वर्ष गेहूं उपार्जन में भी दीदीयों ने कमाल कर दिया। मध्यप्रदेश ने पूरे देश में सबसे अधिक गेहूं खरीदा है। प्रधानमंत्री मोदी और केन्द्रीय कृषि मंत्री के सहयोग से 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया। इसमें भी बहनों ने अपने समूहों को लाभान्वित किया। प्रदेश में 89 ड्रोन दीदीयां, पशुपालन दीदीयां, बैंक सखी जैसी बहनें काम कर रही हैं। व्यावसायिक सब्जी उत्पादन, पशुपालन और जैविक खेती में बहनों ने उत्कृष्ट कार्य किया है। महिला किसान उत्पादक संगठनों ने 958 करोड़ रुपए का व्यापार किया है। झाबुआ जिले में 11 हजार 900 से अधिक स्व-सहायता समूह एक लाख 56 हजार से अधिक परिवारों को सामाजिक सुरक्षा और आजीविका का अधिकार दे रहे हैं।

आज बेबाक

काकरोचों के सरदार अभिजीत दीपके ने शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के बाद डींग हाकी थी कि अब काकरोच किसी का भी इस्तीफा ले सकते हैं। ऐसे में राहुल गांधी कैसे पीछे रहते उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह से इस्तीफा मांग कर साबित कर दिया कि - कांग्रेसी काकरोचों से कम हे के..। इस्तीफा मांगने का सर्वाधिकार काकरोचों के पास सुरक्षित थोड़े न है। देख लेना काकरोच खुद को कांग्रेस से बड़ा मांगीलाल साबित करने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस्तीफा मांग सकते हैं। हो सकता है कि सबसे बड़ा मंगता बनने के चक्कर में कोई डोनाल्ड ट्रंप से इस्तीफा मांग ले।

मुलाकात : राजनांदगांव में 10,500 करोड़ की गैस आधारित यूरिया परियोजना को स्वीकृति देने का अनुरोध

पीएम मोदी से मिले सीएम साय, 'बस्तर विजन' पर चर्चा, यूरिया प्लांट की मांग

- 461 गांवों में स्थायी ग्रिड कनेक्टिविटी और एआईआईए की स्थापना के लिए मांगा सहयोग

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सौजन्य भेंट कर छत्तीसगढ़ के समग्र विकास, बस्तर के कायाकल्प तथा राज्य की महत्वपूर्ण अधोसंरचना एवं औद्योगिक परियोजनाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष बदलते छत्तीसगढ़ और विशेष रूप से बस्तर के विकास का रोडमैप प्रस्तुत करते हुए राज्य की तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार से सहयोग का आग्रह किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सुरक्षा, विश्वास और विकास की समन्वित रणनीति के परिणामस्वरूप बस्तर आज व्यापक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। दशकों तक नक्सल हिंसा और विकास संबंधी चुनौतियों का सामना करने वाला यह क्षेत्र अब शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रेल, बिजली, हवाई संपर्क, आजीविका, खेल और पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

नांदगांव में यूरियो परियोजना

मुख्यमंत्री ने राजनांदगांव में प्रस्तावित लगभग 10,500 करोड़ की गैस आधारित यूरिया परियोजना को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया। परियोजना के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध करा दी गई है तथा राज्य सरकार के स्तर की आवश्यक स्वीकृतियां भी पूरी की जा चुकी हैं। इस परियोजना से किसानों को उर्वरक आसानी से मिलेगा।

एआईआईए की स्थापना

सीएम साय ने पीएम मोदी से रायपुर अथवा बस्तर में ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद (एआईआईए) की स्थापना के प्रस्ताव पर सकारात्मक पहल का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर और अन्य जनजातीय क्षेत्रों में औषधीय वनस्पतियों एवं पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान की समृद्ध विरासत है।

461 गांवों को स्थायी विद्युत ग्रिड से जोड़ने विशेष सहायता

मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर सहित संवेदनशील क्षेत्रों के ऐसे 461 गांवों का विषय भी प्रधानमंत्री के समक्ष रखा, जहां पूर्व में सुरक्षा एवं भौगोलिक कारणों से विद्युत ग्रिड पहुंचाना संभव नहीं हो पाया था और वर्तमान में ऑफ-ग्रिड माध्यम से बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने इन गांवों को स्थायी विद्युत ग्रिड से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार से विशेष सहयोग का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थायी विद्युत आपूर्ति से इन क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, आजीविका और लघु उद्यमों के विस्तार को गति मिलेगी तथा दूरस्थ अंचलों में विकास की प्रक्रिया और मजबूत होगी।

5,542 गांवों तक पहुंच रहा विकास

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री के समक्ष 'बस्तर विजन' की विस्तृत जानकारी रखते हुए बताया कि 'नियद नेल्ला नार 2.0' और 'बस्त मुन्ने' के माध्यम से बस्तर संभाग के 5,542 गांवों में शासन की योजनाओं और सेवाओं का व्यापक क्रियान्वयन किया जा रहा है जिससे लगभग 39 लाख लोग लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राशन, आयुष्मान भारत, जनधन खाते, वनाधिकार, प्रधानमंत्री आवास सहित केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। दूरस्थ और पूर्व में अत्यधिक संवेदनशील रहे गांवों में प्रशासन की पहुंच बढ़ने से शासन के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है।

सड़क, रेल, बिजली और हवाई संपर्क से बदल रही बस्तर की तस्वीर

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर के स्थायी विकास के लिए कनेक्टिविटी सबसे महत्वपूर्ण आधार है। इसी दृष्टि से सड़क, रेल, बिजली और हवाई संपर्क का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि लगभग ?3,513 करोड़ की लागत से जगदलपुर-रावघाट रेललाइन परियोजना पर कार्य आगे बढ़ रहा है। इस रेल संपर्क से बस्तर के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई गति मिलेगी। जगदलपुर से नियमित हवाई सेवाओं के विस्तार की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की जा रही है।

421 बंद स्कूल फिर खुले, ओरछा और जगरगुंडा में बनेंगी एजुकेशन सिटी

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री को बस्तर में शिक्षा के क्षेत्र में आए परिवर्तन की जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में वर्षों से बंद पड़े 421 स्कूलों को पुनः प्रारंभ किया गया है। जिन गांवों में कभी बच्चों के लिए नियमित शिक्षा तक पहुंच बड़ी चुनौती थी, वहां अब स्कूलों में फिर से पढ़ाई शुरू हुई है। उन्होंने बताया कि दंतेवाड़ा की तर्ज पर ओरछा और जगरगुंडा में नई एजुकेशन सिटी विकसित करने की दिशा में भी राज्य सरकार कार्य कर रही है।

भोपाल में पीएम ई-बस सेवा को मिला शानदार प्रतिसाद, प्रतिदिन 2 हजार से अधिक यात्री उठा रहे लाभ

भोपाल।

प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत राजधानी भोपाल में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू होने के बाद यात्रियों का उत्साह देखने को मिल रहा है। ट्रायल रन पूरा होने के बाद प्रथम चरण में दो मार्गों पर 10 ई-बसें संचालित की जा रही हैं, जिनसे प्रतिदिन दो हजार से अधिक यात्री सुरक्षित, आरामदायक और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन सेवा का लाभ ले रहे हैं।

नगर निगम के अनुसार, भोपाल के लिए जीसीसी मॉडल पर पहले चरण में 100 ई-बसें स्वीकृत हैं। 21 से 29 जुलाई तक सफल ट्रायल रन के बाद 30 जुलाई से मार्ग क्रमांक बी-35 (बैरागढ़ डिपो-बोर्ड ऑफिस) और बी-36 (बैरागढ़ चीचली-रेल कोच फैक्ट्री) पर नियमित संचालन शुरू किया गया।

इन आधुनिक बसों में क्यूआर कोड आधारित डिजिटल टिकटिंग, मोबाइल ऐप से टिकट एवं पास सुविधा, वातानुकूलित (एसी) व्यवस्था, प्रत्येक बस में पांच सीसीटीवी कैमरे, एआई आधारित पैसेंजर काउंटर, दिव्यांगजनों के लिए ऑटोमैटिक हाइड्रोलिक व्हीलचेयर लिफ्ट, इमरजेंसी पैनिक एवं स्टॉप बटन, पब्लिक एनाउंसमेंट और पब्लिक इंफॉर्मेशन सिस्टम जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

ई-बसें शहर के प्रमुख क्षेत्रों जैसे लालघाटी, न्यू मार्केट, बोर्ड ऑफिस, एमपी नगर, चेतक ब्रिज, आईएसबीटी, भोपाल रेलवे स्टेशन और रेल कोच फैक्ट्री सहित कई महत्वपूर्ण स्टॉपों को जोड़ रही हैं, जिससे यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन की बेहतर सुविधा मिल रही है।

सीएम शुभेंदु की रेकी कर रहा जैश का आतंकी गिरफ्तार

कोलकाता (ए.)। बंगाल पुलिस ने पूर्वी बर्धमान जिले से जैश-ए-मोहम्मद के संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने हामिम मंडल नाम के इस शख्स को गुरुवार देर रात एक हाउसिंग कॉम्प्लैक्स से पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक मंडल के मोबाइल और घर से मिले दस्तावेजों से पता चला है कि वह मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के बारे में जानकारी जुटा रहा था। पुलिस यह भी कह रही है कि हामिम पुलवामा अटैक के मास्टरमाइंड सज्जाद भट का करीबी है। 14 फरवरी 2019 को पुलवामा अटैक में 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए थे।

गरमा-गरम

स्पेन में घुसे 49 हजार प्रवासी भगदड़ में 18 की मौत

- मोरक्को से समुद्र में तैरकर आए थे, बॉर्डर पर सेना ने रोका तो मची भगदड़

सिउटा (ए.)। स्पेन में जबरन घुसने की कोशिश के दौरान 18 अफ्रीकी प्रवासियों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, घटना तब हुई, जब गुरुवार सुबह 3 हजार प्रवासी एकसाथ स्पेन में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। सीमा पर पुलिस की घेराबंदी और सुरक्षा बाड़ के बीच संकरे रास्तों के कारण लोग एक-दूसरे पर गिर पड़े। भीड़ में दबने, दम घुटने और समुद्र में डूबने के कारण यह हादसा हुआ। इस दौरान स्पेन और मोरक्को के 100 से ज्यादा सैनिक भी घायल हो गए। स्पेनिश सरकार की तरफ से जानकारी मिली है कि मोरक्को की तरफ से करीब 49 हजार लोगों के तैरकर या पैदल चलकर स्पेनिश शहर स्यूटा में प्रवेश कर चुके है।

मोरक्को से एक साथ हजारों प्रवासी स्पेन में क्यों घुसे: अफ्रीकी और एशियाई देशों के प्रवासी बेहतर जीवन की तलाश में यूरोपीय देशों में घुसना चाहते हैं।

दिल्ली दंगा- पूर्व आप पार्षद ताहिर समेत पांच को उम्रकैद

- आईबी अफसर की हत्या के दोषी, कोर्ट ने कहा- घटना गंभीर, इसने समाज को झकझोर दिया

नई दिल्ली (ए.)। 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत 5 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि यह बेहद गंभीर वारदात थी, जिसने समाज को झकझोर दिया। कोर्ट ने 13 जुलाई को ताहिर, नाजिम, काशिम, अनस और जावेद को हत्या, अपहरण, दंगा और सांप्रदायिक वैमनस्य फैलाने का दोषी ठहराया था।

पुलिस ने मांगी मौत की सजा

दिल्ली पुलिस ने कोर्ट में कहा था, 'आरोपियों ने सारी हदें पार कर दीं। अंकित की मौत होने के बाद भी उन पर हमला जारी रखा गया। यह बेहद क्रूर और सुनियोजित हत्या थी। इसलिए दोषियों को फांसी की सजा दी जाए। वहीं ताहिर हुसैन के वकील ने दलील दी थी कि हर हत्या के मामले में मौत की सजा नहीं दी जा सकती। किसी भी दोषी की अलग-अलग भूमिका साफ नहीं बताई गई। इसलिए यह मामला 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' की श्रेणी में नहीं आता।

संसद में पप्पू पुजारी बनकर पहुंचे, राहुल ने दिया चंदा

नई दिल्ली (ए.)। विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को संसद परिसर में राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर प्रदर्शन किया। सांसद पप्पू यादव पुजारी के वेश में दानपेटी लेकर पहुंचे। राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने दानपेटी में चंदा डाला। साथ ही विपक्षी सांसद बैनर लेकर पहुंचे जिसमें 'अमित शाह संसद से गायब क्यों' लिखा हुआ था।

- राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर विपक्ष का प्रदर्शन, मंत्री जितेंद्र सिंह के खिलाफ विशेषाधिकार नोटिस

इधर, लोकसभा की कार्यवाही 11 बजे शुरू हुई, लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। 12 बजे दोबारा शुरू होने पर लोकसभा में जन्म-मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, 2026 ध्वनि मत से पास हुआ। लोकसभा और राज्यसभा तीन अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई हैं। 8 बिल में से अब तक 2 बिल लोकसभा-राज्यसभा में पास हुए हैं। वहीं, कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के संसद में दिए गए बयान को लेकर उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव पेश किया है। सिंह ने कहा था कि जंतर-मंतर और संसद मार्च में प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग नहीं हुई थी।

हंगामे के कारण लोकसभा तीन अगस्त तक स्थगित

केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में जन्म-मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, 2026 पारित करने का प्रस्ताव रखा। बिल ध्वनि मत से पास हुआ। इसके बाद विपक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा तीन अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई।

भिवंडी में 4 मंजिला बिल्डिंग ढही, 9 मौतें

- मरम्मत का काम चलते वक्त हादसा, 8-10 लोगों के फंसे होने की आशंका

भिवंडी (ए.)। महाराष्ट्र के भिवंडी में गुरुवार रात करीब 11:30 बजे एक चार मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 8 से 10 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। राहत और बचाव अभी भी जारी है। नगर निगम के अफसरों ने बताया कि बिल्डिंग में 48 कमरे थे। हर मंजिल पर 12 कमरे बने हुए थे। निगम ने बिल्डिंग को पहले ही खतरनाक घोषित कर दिया था, जिस समय यह हादसा हुआ, उस वक्त मरम्मत का काम चल रहा था।

ठेकेदार की लापरवाही, मरम्मत के दौरान तोड़ दिए 3 पिलर

स्थानीय निवासियों और चश्मदीदों ने हादसे के पीछे ठेकेदार की गंभीर लापरवाही का खुलासा किया है। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से इस पुरानी इमारत में मरम्मत का काम चल रहा था। मरम्मत कार्य के दौरान ठेकेदार और मजदूरों ने इमारत के मुख्य 3 पिलर तोड़ दिए थे। मुख्य पिलर टूटने के कारण चार मंजिला इमारत की नींव पूरी तरह कमजोर हो गई, जिससे इमारत अपना संतुलन खो बैठी और सीधे धड़ाम से गिर गई। स्थानीय प्रशासन अब इस लापरवाही की विस्तृत जांच में जुट गया है।

मानसून सत्र : केंद्र सरकार ने संसद में दिया जवाब, 8वें वेतन आयोग की कार्यवाही लगातार आगे बढ़ रही

सरकारी कर्मियों के लिए खुशखबरी, जल्द बढ़कर आएगी सैलरी

नई दिल्ली (ए.)। 8वें वेतन आयोग को लेकर लंबे समय से चल रही चर्चाओं के बीच केंद्र सरकार ने संसद में स्थिति स्पष्ट की है। समाजवादी पार्टी के सांसद जावेद अली खान ने सरकार से पूछा कि आयोग का काम कहां तक पहुंचा है और कर्मचारियों की सैलरी बढ़ोतरी को लेकर अंतिम फैसला कब तक आएगा।

इस पर वित्त मंत्रालय की ओर से राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि आयोग का गठन 3 नवंबर 2025 को किया गया था और यह निर्धारित नियमों के अनुसार अपना काम कर रहा है।

सांसद ने पूछा था सवाल

सपा सांसद जावेद अली खान ने सरकार से जानना चाहा था कि आयोग का काम किस चरण में है? अब तक कितने कर्मचारियों से सुझाव लिए गए हैं? अंतिम रिपोर्ट सरकार को कब सौंपी जाएगी? सरकार ने जवाब में कहा कि आयोग स्वतंत्र रूप से अपनी प्रक्रिया के अनुसार कार्य कर रहा है।

कर्मचारी संगठन ने क्या कहा?

सरकार के जवाब के बाद AINPSEF के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजीत पटेल ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यदि आयोग समय से पहले अपनी रिपोर्ट सौंप देता है, तो जनवरी 2026 से प्रभावी वेतन संशोधन को लागू करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जा सकती है। उन्होंने आयोग से कर्मचारियों और पेंशनर्स के हित में रिपोर्ट जल्द प्रस्तुत करने की अपील की।

आयोग की रिपोर्ट पर लाखों कर्मचारियों की निगाहें

देशभर के लाखों केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनर्स 8वें वेतन आयोग की सिफारिशों का इंतजार कर रहे हैं। संसद में सरकार के ताजा बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि आयोग अपनी निर्धारित समय-सीमा के भीतर रिपोर्ट तैयार करने की दिशा में काम कर रहा है। अब सभी की नजरें आगामी बैठकों और अंतिम रिपोर्ट पर टिकी हैं।

18 महीने के भीतर रिपोर्ट सौंपेगा आयोग

सरकार ने संसद में बताया कि 8वें वेतन आयोग ने अपनी सिफारिशें तैयार करने के लिए 18 महीने का समय मांगा है। इसी अवधि के भीतर आयोग अपनी अंतिम रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंप देगा। मंत्री ने यह भी कहा कि आयोग कर्मचारियों और संबंधित पक्षों से सुझाव लेकर रिपोर्ट तैयार कर रहा है। नियमों के तहत आयोग हर चरण की जानकारी सरकार को सार्वजनिक रूप से देने के लिए बाध्य नहीं है।

आदिवासी मुद्दों पर सीएम से मिले नेता प्रतिपक्ष, विश्व आदिवासी दिवस पर अवकाश और निजीकरण रोकने की मांग

भोपाल/नवप्रदेश। उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मिलकर विश्व आदिवासी दिवस पर अवकाश, आदिवासी संस्थानों के निजीकरण पर रोक और रीवा हत्याकांड में कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री ने मांगों पर सकारात्मक आश्वासन दिया। आदिवासी समाज से जुड़े मुद्दों को लेकर मध्य प्रदेश में सियासत तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस के आदिवासी विधायक दल ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर तीन प्रमुख मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस ने सरकार से आदिवासी हितों से जुड़े मामलों में तत्काल निर्णय लेने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर प्रदेश में राजकीय अवकाश घोषित करने, आदिवासी बहुल क्षेत्रों में संचालित शासकीय आईटीआई, छात्रावासों और स्वास्थ्य केंद्रों के निजीकरण पर रोक लगाने तथा रीवा आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष की हत्या के मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

निजीकरण और छात्रावासों की बदहाली पर सवाल

उमंग सिंघार ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में सरकारी संस्थानों का निजीकरण किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने आदिवासी छात्रावासों की जर्जर स्थिति का मुद्दा भी मुख्यमंत्री के सामने उठाया और उनमें जरूरी सुधार कराने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने रीवा में आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष की हत्या का मामला भी उठाया। कांग्रेस ने आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने और मामले में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरतने की मांग की।

सीएम से सकारात्मक आश्वासन का दावा

मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद उमंग सिंघार ने कहा कि आदिवासी समाज के सम्मान, अधिकार और भविष्य से जुड़े मुद्दों को मजबूती से सरकार के सामने रखा गया है। उनके मुताबिक मुख्यमंत्री ने सभी मांगों पर सकारात्मक आश्वासन दिया है। सिंघार ने कहा कि कांग्रेस आदिवासी समाज के अधिकारों और संवैधानिक हितों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि आदिवासी समाज के सम्मान और अधिकारों से किसी भी तरह का समझौता नहीं होने दिया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में विधायक फूंदेलाल मार्को, केदार डाबर, झूमा सोलंकी, संजय उइके और सुनील उइके मौजूद रहे।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान को मिल रही लगातार वैश्विक पहचानअभियान के अंतर्गत बालाघाट पुलिस ने भी रचा नया अध्याय

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व तथा पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में प्रदेश में संचालित ÷नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0÷ अभियान जनसहभागिता के माध्यम से एक प्रभावी सामाजिक जनआंदोलन के रूप में स्थापित हो रहा है। अभियान के अंतर्गत बालाघाट पुलिस द्वारा नशामुक्ति के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित अभिनव पहल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त हुआ है।

बालाघाट पुलिस ने अभियान के दौरान आयोजित एक मिनट के नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम के माध्यम से जनभागीदारी का नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस कार्यक्रम में जिले के 1 हजार 204 विद्यालयों के लगभग 1 लाख 25 हजार विद्यार्थियों ने एक साथ नशे से दूर रहने एवं समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। इसके साथ ही 5 लाख से अधिक नागरिकों ने ऑनलाइन माध्यम से अभियान से जुड़कर नशामुक्ति के इस जनआंदोलन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इस व्यापक जनसहभागिता, प्रभावी जनजागरूकता एवं सामाजिक प्रतिबद्धता को दृष्टिगत रखते हुए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स , लंदन ने बालाघाट पुलिस की इस उपलब्धि को विश्व रिकॉर्ड के रूप में मान्यता प्रदान करते हुए Certificate of E&cellence से सम्मानित किया है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि नशे के विरुद्ध प्रभावी जनजागरूकता केवल प्रशासनिक प्रयासों से नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग–विशेषकर विद्यार्थियों, युवाओं, शिक्षकों, अभिभावकों तथा नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से ही संभव है। बालाघाट पुलिस द्वारा संचालित यह पहल जनसहभागिता आधारित पुलिसिंग तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरी है। नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश पुलिस प्रदेश में नशामुक्ति शपथ, जनजागरूकता रैलियां, संवाद कार्यक्रम, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियां, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताएं निरंतर संचालित कर रही है। अभियान का उद्देश्य समाज, विशेषकर युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त मध्यप्रदेश के निर्माण में सहभागी बनाना है। बालाघाट पुलिस की यह उपलब्धि न केवल जिले

सुरक्षित सड़कें और सशक्त समुदायों के लिए डीबीसीपीएल की सतत प्रतिबद्धता

सफर सिर्फ मंजिल तक पहुँचने का नहीं, भरोसा बनाने का भी है

भोपाल/नवप्रदेश। देवास-भोपाल कॉरिडोर मध्यप्रदेश के प्रमुख सड़क मार्गों में से एक है, जो शहरों, उद्योगों और ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ते हुए प्रतिदिन हजारों यात्रियों, व्यावसायिक वाहनों और मालवाहक ट्रकों की आवाजाही को सुगम बनाता है। प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों, व्यापार और क्षेत्रीय विकास में इस कॉरिडोर की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी जिम्मेदारी को समझते हुए देवास-भोपाल कॉरिडोर प्राइवेट लिमिटेड (DBCPL) पिछले कई वर्षों से 149.700 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर के सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं उच्च गुणवत्ता वाले रखरखाव के लिए लगातार कार्य कर रही है। ये सभी सेवाएँ दुर्घटना या आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित की जाती हैं।

सिर्फ सड़क नहीं, समाज के विकास की भी जिम्मेदारी

डीबीसीपीएल का मानना है कि आधारभूत संरचना का विकास तभी सार्थक है, जब उसका लाभ आसपास के समुदायों तक भी पहुँचे। इसी सोच के साथ *प्रोजेक्ट निरामया* के माध्यम से आसपास के गांवों के लोगों और लंबी दूरी तय करने वाले ट्रक चालकों के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, आवश्यक दवाइयों का वितरण तथा स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। वहीं प्रोजेक्ट सक्षम के तहत कॉरिडोर से जुड़े गांवों के बच्चों में शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल की जा रही हैं, ताकि उनका समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। क्योंकि हर सफर सिर्फ मंज़िल तक पहुँचने का नहीं, बल्कि रास्ते भर विश्वास और सुरक्षा का एहसास कराने का भी होता है।

24*7 आपातकालीन सेवाएँ: हर यात्री की सुरक्षा के लिए तत्पर

किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए डीबीसीपीएल ने पूरे कॉरिडोर पर चौबीसों घंटे सक्रिय इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम विकसित किया है। इसके अंतर्गत–

- 24*7 एम्बुलेंस सेवा
- दुर्घटनाग्रस्त एवं खराब वाहनों को हटाने के लिए रिकवरी क्रेन
- लगातार निगरानी एवं सहायता के लिए हाईवे पेट्रोलिंग वाहन
- 24 घंटे सक्रिय आपातकालीन हेल्पलाइन 1099

सिर्फ सड़कें नहीं, विश्वास भी बना रहे हैं

डीबीसीपीएल के लिए हाईवे का रखरखाव केवल इंफ्रास्ट्रक्चर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह यात्रियों की सुरक्षा, विश्वसनीय सेवाओं और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। नियमित सड़क रखरखाव, 24*7 आपातकालीन सेवाओं, बेहतर संचालन व्यवस्था और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी पहलों के माध्यम से डीबीसीपीएल हर यात्री को सुरक्षित, सुगम और भरोसेमंद यात्रा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

निरंतर रखरखाव, भरोसेमंद सफर

डीबीसीपीएल के लिए सड़क का रखरखाव केवल समय-समय पर किया जाने वाला कार्य नहीं, बल्कि प्रतिदिन निभाई जाने वाली जिम्मेदारी है। नियमित निरीक्षण और प्रिवेंटिव मेंटेनेंस के माध्यम से संभावित समस्याओं की पहचान कर उनका समय रहते समाधान किया जाता है, जिससे पूरे वर्ष सड़क सुरक्षित, सुचारु और विश्वसनीय बनी रहती है।

सड़क सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता

डीबीसीपीएल का उद्देश्य केवल सड़क का रखरखाव करना नहीं, बल्कि प्रत्येक यात्री को सुरक्षित और सहज यात्रा का अनुभव प्रदान करना है। इसी उद्देश्य से कॉरिडोर पर प्रतिदिन नियमित रखरखाव कार्य किए जाते हैं। इन कार्यों में गड्ढों की समय पर मरम्मत, सड़क पर लेन मार्किंग का नवीनीकरण, रिफ्लेक्टिव साइन बोर्ड एवं रोड स्टड्स का रखरखाव, क्रैश बैरियर का निरीक्षण, सड़क किनारे उगी वनस्पतियों की सफाई तथा विशेष रूप से वर्षा ऋतु में जल निकासी व्यवस्था की सतत निगरानी शामिल है।

विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना राज्य सरकार का मुख्य ध्येय : राज्यमंत्री गौर

वार्ड 74 में लगभग 50 लाख रुपये लागत के विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

भोपाल/नवप्रदेश। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा कि राज्य सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचाने के अटूट संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। आमजन की मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता देना सरकार की सर्वोपरि प्रतिबद्धता है, जिसके दृष्टिगत जन-सुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्यों को गति प्रदान की जा रही है। राज्य मंत्री श्रीमती गौर भोपाल के वार्ड क्रमांक 74 में लगभग 50 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत

विभिन्न विकास कार्यों के भूमि-पूजन समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने विश्वास जताया कि सड़क, नाली, सामुदायिक भवन एवं अन्य बुनियादी अधोसंरचना के इन कार्यों से क्षेत्रवासियों के दैनिक जीवन में सुगमता आएगी और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा। राज्यमंत्री गौर ने जन-सुविधाओं के विस्तार के लिए अनेक महत्वपूर्ण विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इसके अंतर्गत खेजड़ा स्थित हनुमान मंदिर के समीप 4 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले कम्युनिटी हॉल तथा भानपुर मल्टी एलआईजी के पास 4 लाख रुपये की लागत से शेड एवं चबूतरा निर्माण कार्य का औपचारिक भूमि-पूजन हुआ। इसके साथ ही पुरानी भानपुर मल्टी एवं सागर कॉलेज के समीप कृष्णा विहार में 3-3 लाख रुपये की लागत से तथा सेमरा गांव में 2.5 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले शेड व चबूतरा निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया। आवागमन को सुगम और सुरक्षित बनाने की दिशा में अयोध्या बायपास से महोली गांव तक लगभग 19 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सीसी सड़क तथा कैलाश नगर में लगभग 20 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सीसी सड़क व नाली निर्माण कार्य की आधारशिला भी रखी गई।

आयुष्मान भारत योजना के क्लेम भुगतान, एम्पेनेलमेंट की कार्यवाही प्राथमिकता से पूर्ण करें: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

समयबद्ध पदपूर्ति के लिए संबंधित एजेंसी नियमित रूप से करें संपर्क

आउटसोर्स कर्मचारियों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

भोपाल/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी योजनाओं एवं प्रशासनिक कार्यों का प्रभावी, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े प्रत्येक कार्य में समयबद्धता, पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, जिससे प्रदेश के नागरिकों को बेहतर एवं सहज स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विभाग में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों के मानदेय का भुगतान समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन में आउटसोर्स कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में उनके भुगतान में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से भुगतान प्रक्रिया की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि बजट की आवश्यकता होने पर प्रकरण शीघ्र अग्रेषित किए जाएँ।

भोपाल में चौक बाजार की कपड़ा दुकान में आग

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के चौक स्थित एक कपड़ा दुकान में शुक्रवार की दोपहर आग लग गई। दुकान से धुआं उठते देख दुकानदार बाहर निकले। इसके बाद आग पर काबू पाने की कोशिश होने लगी। फायर स्टेशन को सूचना दी गई, लेकिन रास्ते में बेरिकेडिंग और रास्ता छोटा होने से दमकल के पहुंचने में देरी हो गई। चौक बाजार में नेमा डिजाइनर स्टूडियो है। यही पर दोपहर में आग लगी थी। शार्ट-सर्किट की वजह से आग लगना सामने आया है।

जनजागरूकता, जनभागीदारी, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और समन्वित प्रयास से हीमोग्लोबिनोपैथीज़ का शीघ्र करेंगे उन्मूलन : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

समन्वित प्रयास से मध्यप्रदेश सिकल सेल एवं हीमोग्लोबिनोपैथीज़ नियंत्रण की दिशा में अग्रणी

स्टेट लेवल कंसल्टेशन मीटिंग ऑन हीमोग्लोबिनोपैथीज़ : संकल्प से समाधान में हुए शामिल

भोपाल/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल भोपाल में स्टेट लेवल कंसल्टेशन मीटिंग ऑन हीमोग्लोबिनोपैथीज़ : संकल्प से समाधान में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया, थैलेसीमिया एवं अन्य हीमोग्लोबिनोपैथीज़ केवल स्वास्थ्य संबंधी चुनौती नहीं हैं, बल्कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, भावी पीढ़ियों के स्वास्थ्य तथा सामाजिक विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषय हैं। इनकी रोकथाम के लिए समय पर पहचान, गुणवत्तापूर्ण उपचार, जेनेटिक काउंसिलिंग, जनजागरूकता तथा सामुदायिक सहभागिता को समान रूप से सुदृढ़ करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल मंगुभाई पटेल के सतत मार्गदर्शन एवं निगरानी में मध्यप्रदेश सिकल सेल एवं एनीमिया से मुक्ति की दिशा में ऐतिहासिक कार्य कर रहा है। मध्यप्रदेश को इन बीमारियों से पूर्णतः मुक्त कर 'स्वस्थ एवं विकसित मध्यप्रदेश' बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने हीमोग्लोबिनोपैथीज़ के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार आईईसी (सूचना, शिक्षा एवं संचार) सामग्री का विमोचन भी किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि जनजागरूकता, जनभागीदारी, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार तथा विभिन्न विभागों, चिकित्सा संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों के समन्वित

प्रयासों से इन बीमारियों के उन्मूलन के लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। प्रदेश में अब तक 1 करोड़ 32 लाख से अधिक नागरिकों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है तथा मध्यप्रदेश समय-पूर्व 100 प्रतिशत स्क्रीनिंग लक्ष्य प्राप्त करने वाला देश का पहला राज्य बना है। वर्तमान में प्रदेश में 40,648 सिकल सेल रोगी, 2,44,761 सिकल सेल वाहक, 1,178 थैलेसीमिया रोगी तथा 857 थैलेसीमिया वाहकों का पंजीयन किया जा चुका है तथा उन्हें आवश्यक उपचार एवं परामर्श सेवाओं से जोड़ा जा रहा है।

भोपाल में गैस त्रासदी पीड़ित संगठनों ने 63 सैंपल लिए; इनमें से 43 में फीकल कोलीफॉर्म मिला

यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के आसपास का पानी पीने लायक नहीं

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में यूनियन कार्बाइड गैस त्रासदी पीड़ितों के चार संगठनों ने शुक्रवार को शहर में सप्लाई किए जा रहे पेयजल को लेकर गंभीर आरोप लगाए। संगठनों का दावा है कि भोपाल नगर निगम कार्बाइड फैक्ट्री के आसपास के इलाकों में सीवेज से दूषित पानी की आपूर्ति कर रहा है, जिससे इंदौर के भागीरथपुरा जैसी स्थिति बनने का खतरा पैदा हो गया है। संगठनों ने प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल की जांच कराई, जिसकी रिपोर्ट भी सार्वजनिक की। रिपोर्ट के मुताबिक जांचे गए पानी के करीब 70 प्रतिशत नमूनों में फीकल कोलीफॉर्म (मल से जुड़े बैक्टीरिया) पाए गए। इससे संकेत मिलता है कि इन इलाकों में बड़ी मात्रा में मल से दूषित पानी लोगों तक पहुंच रहा है।

भोपाल गैस पीड़ित महिला-पुरुष संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष नवाब खान ने बताया कि इस महीने 30 बस्तियों के नलों से 63 पानी के नमूने एकत्र किए गए थे। इनमें से 43 नमूनों में फीकल कोलीफॉर्म की पुष्टि हुई। उनके अनुसार, इसका मतलब है कि 30 में से 19 क्षेत्रों में लोगों को दूषित पेयजल मिल रहा है। उन्होंने बताया कि बड़ा तालाब (अपर लेक) से सप्लाई किए गए पानी के 90 प्रतिशत नमूने और कोलार डैम से सप्लाई किए गए पानी के 25 प्रतिशत नमूने भी जांच में दूषित पाए गए।

दूषित पानी से बढ़ रहीं गंभीर बीमारियां

संगठनों का आरोप है कि यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से सटे इलाकों के लोग लंबे समय से सीवेज से दूषित पानी पीने को

मजबूर हैं। इसके कारण दस्त, उल्टी, टाइफाइड समेत जलजनित बीमारियों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। उनका कहना है कि कई परिवार एक साथ बीमार पड़ रहे हैं और निजी क्लीनिकों में टाइफाइड के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। भोपाल गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संघ की अध्यक्ष रशीदा बी ने बताया कि साल 2004 में सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे से यहां का भूजल जहरीले रसायनों और भारी धातुओं से प्रदूषित हो चुका है। इसके बाद कोर्ट ने प्रभावित क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाकर लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे।

आठ साल से शिकायत, फिर भी नहीं बिछी सीवर लाइन

भोपाल गैस पीड़ित निराश्रित पेंशनभोगी संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष बालकृष्ण नामदेव ने कहा कि अगस्त 2018 में पेयजल में मल मिलने की शिकायतों पर सुप्रीम कोर्ट ने भोपाल नगर निगम को प्रभावित क्षेत्रों में सीवर लाइन और बेहतर ड्रेनेज व्यवस्था विकसित करने का आदेश दिया था। नगर निगम ने तीन महीने में काम पूरा करने का आश्वासन दिया था, लेकिन आठ साल बीत जाने के बाद भी इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। भोपाल ग्रुप फॉर इंफॉर्मेशन एंड एक्शन की रचना धींगरा ने दूषित पेयजल की आपूर्ति के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनदेखी कर लोगों के स्वास्थ्य को खतरे में डाला जा रहा है। भागीरथपुरा जैसी घटना का इंतजार करने के बजाय दोषियों पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में सीवर और ड्रेनेज परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए तथा पेयजल की गुणवत्ता की स्वतंत्र निगरानी की व्यवस्था भी तत्काल शुरू की जाए।

उफनती पैरी नदी से पति-पत्नी समेत तीन मासूम बच्चों को पुलिस-एसडीआरएफ ने सुरक्षित निकाला

- **लगातार बारिश से गरियाबंद में बाढ़ जैसे हालात, काश सोहागपुर की गौशाला में फंसा था पांच सदस्यीय परिवार, देर रात तक चला रेस्क्यू अभियान**

गरियाबंद /नवप्रदेश। पिछले 24 घंटे से जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। जिले की पैरी नदी सहित अधिकांश नदी-नाले उफान पर हैं और कई निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। ऐसे कठिन समय में पुलिस, एसडीआरएफ, नगर सेना और प्रशासन की टीमें लगातार लोगों की सुरक्षा में जुटी हुई हैं।

बुधवार शाम काश सोहागपुर क्षेत्र में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पैरी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से एक गौशाला में पति-पत्नी और उनके तीन छोटे बच्चे फंस गए। शाम करीब 5 बजे घटना की सूचना मिलते ही तहसीलदार, पुलिस, एसडीआरएफ और नगर सेना की रेस्क्यू टीम तत्काल मौके पर पहुंची। तेज बहाव और लगातार हो रही बारिश के बीच राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया।

बताया जा रहा है कि पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश और सिकासार जलाशय से पानी छोड़े जाने के कारण पैरी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। देखते ही देखते गौशाला चारों ओर से पानी से घिर गई और पांच सदस्यीय परिवार वहीं फंस गया। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल प्रशासन को सूचना दी, जिसके बाद बिना देर किए संयुक्त रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया।

तेज धाराओं और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद पुलिस, एसडीआरएफ और नगर सेना के जवानों ने रस्सियों, लाइफजैकेट और अन्य सुरक्षा उपकरणों की मदद से करीब पांच घंटे तक लगातार अभियान चलाया। देर रात सभी पांचों लोगों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। परिवार के सुरक्षित बाहर आते ही मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और रेस्क्यू टीम की सराहना की।

जिले में लगातार बारिश को देखते हुए प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे उफनती नदी-नालों को पार करने का प्रयास न करें, जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें तथा मौसम विभाग और जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। प्रशासन ने कहा है कि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस या नियंत्रण कक्ष को सूचना दें, ताकि समय रहते राहत एवं बचाव कार्य किया जा सके।

न्यूज गैलरी

बाबाधाम धनोरा में 2 अगस्त को मनाई जाएगी गुरु पूर्णिमा

उतई /नवप्रदेश। बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में हर साल की भांति इस वर्ष भी स्व. परमानंद कठोलिया के स्मृति में श्रद्धांजलि एवं पुण्य तिथि 2 अगस्त को मनाया जाएगा। दरबार के मुखिया लक्ष्मण बाबा ने बताया कि 2 अगस्त रविवार को सुबह 10 बजे से कार्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा। सबसे पहले स्व. परमानंद कठोलिया के तैलचित्र पर पूजा अर्चना कर माल्यार्पण किया जाएगा। तत्पश्चात कलाकारों का आगमन एवं सम्मान किया जाएगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री ममता चन्दाकर, प्रेम चन्दाकर फिल्म निर्देशक, विशेष अतिथि दुष्यंत हरमुख, श्रीमती रिंकी देवांगन लोक गायिका, स्वर कोकिला कविता वासनिक, सुश्री हिमानी वासनिक, कु. कनक साहू बाल कलाकार, लोकगायिका तृषा साहू, लोकगायिका टोमन वर्मा, जनपद सभापति जीतेन्द्र टंडन, जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी, सरपंच श्रीमती रुलेशवरी चंन्द्रशेखर बंजारे, उपसरपंच श्रीमती संगीता सप्रे, ग्रामीण पटेल चैतुराम साहू एवं ग्रामीण उपस्थित रहेंगे। दोपहर 12 बजे से कार्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा जिसमें अपने-अपने गीत संगीत प्रस्तुत किए जाएंगे। शाम 5 बजे से सुश्री हिमानी वासनिक द्वारा भरथरी गायन का अपने टीम द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। रात्रि 8 बजे से श्रीराधा कृष्ण सेवा एवं फाग मंडली गुलाब साहू द्वारा झांकी प्रस्तुत किया जाएगा। दरबार प्रतिनिधी चन्द्रकांत कोसरे एवं कुंजलाल साहू ने जानकारी देते हुए सभी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में आकर कार्यक्रम का लाभ उठाने की अपील की है।

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती सम्पन्न

भाटापारा /नवप्रदेश। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत भाटापारा के रविदास वार्ड स्थित मंदिर परिसर में श्रद्धा, आस्था और सामाजिक समरसता से ओतप्रोत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश कोर कमेटी सदस्य शिवरतन शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा,भाजपा जिलाध्यक्ष आनन्द यादव एवं पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी के चरणों में श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके बताए समानता, मानवता, भाईचारे और सामाजिक समरसता के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। संत रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में 650 दीप प्रज्वलित कर उनके महान विचारों और मानव कल्याण के संदेश को स्मरण किया गया। दीपों की रोशनी के बीच पूरा मंदिर परिसर श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण से आलोकित हो उठा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी केवल एक महान संत ही नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और समरसता के ऐसे प्रकाश पुंज हैं, जिनके विचार सदियों बाद भी समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि संत रविदास महाराज जी ने अपनी वाणी और कर्मों के माध्यम से समाज को जात-पात, ऊंच-नीच और भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता को सर्वोपरि रखने का संदेश दिया। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि व्यक्ति की महानता जन्म से नहीं, बल्कि उसके विचारों, कर्मों और मानव सेवा की भावना से निर्धारित होती है।

बेसिक स्काउट मास्टर, गाइड कैप्टन, रोवर-रेंजर लीडर प्रशिक्षण शिविर का समापन

धमतरी /नवप्रदेश। धमतरी जिले के भखारा स्थित अम्बेडकर मांगलिक भवन में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छग के राज्य अध्यक्ष एवं स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंग खालसा के निर्देशन में तथा राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) पूनम सिंह साहू एवं राज्य प्रशिक्षण आयुक्त गाइड सरिता पाण्डेय के मार्गदर्शन में सात दिवसीय बेसिक स्काउट मास्टर, गाइड कैप्टन एवं रोवर-रेंजर लीडर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन रखा गया। शिविर के समापन के पूर्व संध्या पर विशाल शिविर ज्वाल (ग्रेट कैम्प फायर) कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके मुख्य अतिथि राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंग खालसा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत स्काट्स एवं गाइड्स जिलाध्यक्ष डॉ गणेश प्रसाद साहू ने की तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला मुख्य आयुक्त चेतन हिंदूजा, उपाध्यक्ष कृष्णा राम साहू एवं गजानन साहू, जिला मुख्यालय आयुक्त नन्द किशोर साहू,ए. बी. इ. ओ. धर्मेंद्र साहू, पूर्व अध्यक्ष डीपेंद्र साहू, पार्षद ठुमेंद्र कुमार गंगबेल, जिला सचिव सोहन लाल साहू, बीआरसीसी कुरुद कुलेश्वर सिन्हा, रोवर लीडर कमलेश साहू आदि उपस्थित थे।

शिविर ज्वाल कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा ज्वाल प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर शिविर प्रतिवेदन का वाचन शिविर संचालक इनूराम वर्मा ने किया। उन्होंने बताया कि इस शिविर में जिले के चारों विखं सहित दंतेवाड़ा, कोंडागांव, गरियाबन्द, बलौदाबाजार, दुर्ग, राजनांदगाव आदि जिले से 31स्काउट, 36 गाइड्स, 32 रोवर-रेंजर कुल 99 प्रशिक्षणार्थी सम्मिलित हुए। यह शिविर 24 जुलाई से 30 जुलाई तक आयोजित हुआ। प्रशिक्षण के दौरान नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, झंडा गीत, राष्ट्रीय गान, चिन्ह, सेल्यूट, बाया हाथ मिलाना, बीपी सिक्स, गांठे, ध्वज की जानकारी, अनुमान लगाना, सिग्नल, प्राथमिक उपचार, हाइक आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शिविर के दौरान राज्य प्रशिक्षण आयुक्त पूनम सिंह साहू द्वारा ओवायएमएस पंजीयन संबंधी अहम जानकारी प्रदान की गई।

इस दौरान प्रशिक्षणार्थी के रूप में शामिल हुए गाइड कैप्टन शिल्पा मानिकपुरी एवं रोवर लीडर सोमेश गुप्ता ने शिविर में प्राप्त अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि प्रशिक्षण से न सिर्फ आत्मविश्वास बढ़ा है बल्कि स्काउटिंग गतिविधियों को संचालित करने के लिये एक नई ऊर्जा मिली है। मुख्य अतिथि इंदरजीत सिंग खालसा ने कहा कि किसी भी विद्यालय में स्काउट गाइड दल संचालन के लिए बेसिक प्रशिक्षण लेना आवश्यक है।उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान का उपयोग बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं बेहत्तर नागरिक बनाने में करने की अपील की। जिला मुख्य आयुक्त चेतन हिंदुजा ने कहा कि जिले में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन होना जिले की बड़ी उपलब्धि है। छात्रों को सही दिशा में ले जाने के लिए स्काउट गाइड संस्था महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जिला अध्यक्ष डॉ गणेश प्रसाद साहू ने कहा कि ईश्वर को धन्यवाद दें की हमें एक वैश्विक संगठन से हमें जोड़ने का अवसर मिला है।

कलेक्टर ने प्राचार्यों को दिए कड़े निर्देश, दोबारा उल्लंघन पर पालकों के विरुद्ध होगी कानूनी कार्रवाई

नाबालिगों के वाहन चलाने पर जिला प्रशासन की सख्ती

- **स्कूलों में पालक-शिक्षक बैठक, जागरूकता अभियान और वैकल्पिक परिवहन व्यवस्था पर विशेष जोर**

धमतरी/नवप्रदेश। जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए संयुक्त अभियान प्रारंभ किया है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों की वर्चुअल बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना पाण्डेय, सहायक संचालक शिक्षा श्री यदुनंदन वर्मा सहित विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के नाबालिग बच्चों द्वारा दोपहिया अथवा अन्य वाहन चलाना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि उनके स्वयं के जीवन और अन्य नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है। उन्होंने सभी प्राचार्यों को निर्देशित किया कि विद्यालय परिसर में यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी नाबालिग छात्र-छात्रा वाहन लेकर विद्यालय न पहुंचे। यदि कोई विद्यार्थी वाहन लेकर आता है, तो तत्काल उसके पालकों को सूचना देकर आवश्यक समझाइश दी जाए तथा इसकी जानकारी संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को भी उपलब्ध कराई जाए।

कलेक्टर ने सभी विद्यालयों में शीघ्र पालक-शिक्षक बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि अभिभावकों को मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों, सड़क सुरक्षा के महत्व तथा बच्चों के सुरक्षित आवागमन के प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के लिए स्कूल बस, साइकिल, सार्वजनिक परिवहन अथवा पालकों द्वारा सुरक्षित परिवहन जैसी वैकल्पिक व्यवस्थाएं अपनाने का आग्रह किया। इस व्यवस्था को लागू करने के लिए एक सप्ताह का समय निर्धारित किया गया है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विद्यालयों के आसपास असामाजिक तत्वों की गतिविधियां, नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री अथवा विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार का असुरक्षित वातावरण पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। विद्यार्थियों को सकारात्मक दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से विद्यालयों में योग, खेलकूद, नैतिक शिक्षा, यातायात जागरूकता तथा नशामुक्ति संबंधी गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने पर भी विशेष बल दिया गया।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना पाण्डेय ने बताया कि जिले में नाबालिग वाहन चालकों के विरुद्ध विशेष अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। वर्तमान में पहली बार पकड़े जाने वाले नाबालिगों के पालकों को यातायात थाना बुलाकर समझाइश दी जा रही है तथा उनका विवरण दर्ज किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई नाबालिग पुनः वाहन चलाते हुए पाया जाता है, तो मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार संबंधित पालकों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में 25 हजार रुपये तक का जुर्माना, तीन वर्ष तक का कारावास अथवा दोनों का प्रावधान है।

श्रद्धा और भक्ति के साथ गुरु पूर्णिमा महापर्व संपन्न

छुरा/नवप्रदेश। गायत्री शक्ति पीठ छुरा, में गुरु पूर्णिमा महापर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश भी श्रद्धालुओं की आस्था को डिगा नहीं सकी। भारी वर्षा के बावजूद बड़ी संख्या में गायत्री परिवार के परिजन एवं श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए और गुरु पूजन, जप-तप, साधना तथा पाँच कुंडीय यज्ञ-हवन में सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर समाज एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर योग सेवा प्रदान करने वाले योगाचार्य मिथलेश कुमार सिन्हा का भी विशेष सम्मान किया गया। उन्हें योग के माध्यम से जन-जागरूकता, निःशुल्क योग प्रशिक्षण, स्वास्थ्य संवर्धन तथा समाजसेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए उपहार एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित जनों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि योगाचार्य मिथलेश सिन्हा वर्षों से लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं ने राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता तथा मानव कल्याण के लिए निरंतर सेवा करने का संकल्प लिया। भारी बारिश के बावजूद कार्यक्रम का सफल एवं गरिमामय आयोजन श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और गुरु के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण बना। इस अवसर पर मानवी सोम , घासीन साहू और तिजऊ साहू का वैदिक विधि से जन्मदिवस संस्कार भी संपन्न हुआ। इस अवसर पर ट्रस्टी अध्यक्ष राम अवतार यादव, भुनेश्वर पटेल, नरसिंह सोम, खिलेश्वरी सोम, हेमंत साहू ,पुखराज ठाकुर, खुशबू रानी, संध्या यदु,भगवती साहू, मेनका साहू, त्रिवेणी साहू,नीतू साहू,कमला सारस्वत, कमला यदु,दीपाली सारस्वत,केशव साहू,कल्याणी साहू, चतुर सिंह दीवान,तुलसी साहू, हर्षिता पटेल, ईश्वर सिन्हा, नंदकुमार सिन्हा, कैलाश पटेल, दीपिका पटेल, रीता कोठारी,नंदिनी साहू, रोहित,कामता साहू, उमेद दीवान, नर्मदा सिन्हा,पूर्वांश, रुद्रांशी एवं साधक गण उपस्थित थे।

नई दिल्ली में ओबीसी संगठन की मजबूती को लेकर हुई बैठक

- **पूर्व विधायक लेखराम साहू ने राष्ट्रीय नेतृत्व को सौंपी तेलंगाना की रिपोर्ट**

धमतरी/नवप्रदेश। कुरूद के पूर्व विधायक एवं राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग संगठन के राष्ट्रीय समन्वयक श्री लेखराम साहू ने नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जैन एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर तेलंगाना राज्य की संगठनात्मक गतिविधियों एवं कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।

इस दौरान छत्तीसगढ़ प्रभारी दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे। बैठक में तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के नेतृत्व में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के कार्यकाल के दौरान पिछड़ा वर्ग संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा संगठन के विस्तार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में आगामी विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए पिछड़ा वर्ग समाज के अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने, संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने तथा कांग्रेस के गठबंधन को सशक्त बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही राहुल गांधी के नेतृत्व में भविष्य में सरकार गठन के उद्देश्य से संगठनात्मक गतिविधियों को तेज करने पर भी चर्चा हुई।

श्री लेखराम साहू ने अपने संगठनात्मक कार्यों का रिपोर्ट कार्ड भी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जैन को सौंपा। इसके पश्चात उन्होंने अनुसूचित जनजाति (एसटी) कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गजेंद्र पाल गौतम, पूर्व सांसद संदीप दीक्षित, मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद एवं सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा, छत्तीसगढ़ से लोकसभा सांसद फूलो देवी नेताम सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं से भेंट कर विभिन्न समसामयिक एवं संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की।

राजनांदगांव की गौशाला पिंजरापोल सेवा, समर्पण और जनसहभागिता का आदर्श केंद्र : डॉ. रमन सिंह

- **विधानसभा अध्यक्ष ने नवीन गौछाया परिसर का लोकार्पण एवं चिकित्सा तथा गौचारा परिसर का किया भूमिपूजन**
- **गौशाला के विकास के लिए 75 लाख रूपए की राशि प्रदान कराने की घोषणा की**

राजनांदगांव /नवप्रदेश। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज श्री गौशाला पिंजरापोल राजनांदगांव में नवीन गौछाया परिसर के लोकार्पण तथा चिकित्सा परिसर एवं गौचारा परिसर के भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने राज्य शासन की ओर से गौशाला के विकास के लिए 75 लाख रूपए की राशि उपलब्ध कराने की घोषणा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विकास एवं पशुपालन विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने की। इस अवसर पर महापौर श्री मधुसूदन यादव तथा राज्य गौ सेवा आयोग छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष श्री विशेषर सिंह पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि राजनांदगांव को संस्कारधानी इसलिए कहा जाता है जब कोई घटना हो जाती है। उस घटना से एक बड़ा निर्णय निकल कर आता है, जो गौ माता के संवर्धन और संरक्षण के लिए होता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1904 में एक मार्मिक घटना के बाद स्वर्गीय श्री रामलाल चोपड़ा ने गौशाला स्थापना का संकल्प लिया और समाज के सहयोग से इसकी शुरूआत हुई। आज 122 वर्षों की यह यात्रा जनसेवा, गौसंवर्धन और समाज की सहभागिता का प्रेरणादायी उदाहरण बन गई है। उन्होंने कहा कि गौशाला पिंजरापोल केवल गौशाला नहीं, बल्कि एक पवित्र तीर्थस्थल है, जहां समाज की आस्था और सेवा भावना का अद्भुत संगम दिखाई देता है। उन्होंने गौशाला के विकास में भूमि, संसाधन एवं आर्थिक सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं का उल्लेख करते हुए उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से यह गौशाला आज प्रदेश की सबसे सशक्त एवं समृद्ध गौशालाओं में शामिल है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने नागरिकों से गौसेवा में नियमित सहभागिता का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक परिवार अपनी सामर्थ्य के अनुसार गौशाला से जुड़े और गौसंरक्षण के इस पुण्य कार्य में योगदान दें।

कृषि विकास एवं पशुपालन विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि इतनी समृद्ध परंपरा और 122 वर्षों के गौरवशाली इतिहास वाली गौशाला बहुत कम देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि यहां समाज का जुड़ाव, दानदाताओं की सहभागिता तथा गौसेवा के प्रति लोगों की संवेदनशीलता अनुकरणीय है।

उन्होंने गौधाम योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य शासन गौसंरक्षण एवं गौसेवा को और अधिक सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

राजस्व मामलों में देरी बर्दाश्त नहीं, नामांतरण-बंटवारा सहित स्वामित्व कार्ड के प्रकरण समय पर निपटाएं : टंकराम वर्मा

- **विभागीय योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा, बाढ़ आपदा से निपटने पुख्ता तैयारी के निर्देश**
- **प्रभारी मंत्री ने हितग्राहियों को स्वामित्व कार्ड तथा जाति प्रमाण पत्र भी सौपे**

धमतरी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व, आपदा प्रबंधन, पुनर्वास तथा उच्च शिक्षा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने गुरुवार देर शाम कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले में संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं, विकास कार्यों एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आम जनता से जुड़े सभी राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, स्वामित्व कार्ड, भूमि डायवर्सन सहित अन्य राजस्व मामलों में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। आम नागरिकों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए कार्यालयों के बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें, यह प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

प्रभारी मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक मूल्य तभी है, जब उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक समय पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से संवेदनशील, जवाबदेह और सेवा भाव के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रशासन सरकार और जनता के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। अधिकारी जितनी ईमानदारी और प्रतिबद्धता से योजनाओं का क्रियान्वयन करेंगे, उतना ही शासन के प्रति आमजन का विश्वास मजबूत होगा।

बैठक में राजस्व विभाग के कार्यों की विशेष समीक्षा करते हुए उन्होंने लंबित प्रकरणों की जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का नियमानुसार, पारदर्शी एवं समयबद्ध निराकरण किया जाए।

कलेक्टर ने सुहेला में स्कूल और आंगनबाड़ी केन्द्र का किया निरीक्षण

- **नन्हे- मुन्नो से किया आत्मीय संवाद,स्कूली बच्चों को दिये कैरियर टिप्स**

भाटापारा /नवप्रदेश। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने गुरुवार को सुहेला में आंगनबाड़ी केंद्र एवं स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने सुपोषित बचपन अभियान के तहत कुपोषित बच्चों को लड्डू वितरण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने,बच्चों के भाषा विकास एवं साफ़सफाई पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश कार्यकर्ता एवं सहायिका को दिये।

कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि कुपोषण मुक्ति के लिये जिला प्रशासन द्वारा सुपोषित बचपन अभियान चलाया जा रहा है जिसमें गंभीर एवं मध्यम कुपोषित बच्चों को सप्ताह में 6 दिन एक -एक पौष्टिक लड्डू खिलाया जा रहा है। उन्होंने कार्यकर्ता से आंगनबाड़ी केंद्र में दर्ज बच्चों की संख्या,औसत उपस्थिति,कुपोषित बच्चों की संख्या,लड्डू की उपलब्धता, बच्चों कुपोषित बच्चों को लड्डू वितरण आदि की जानकारी ली। उन्होंने 2 कुपोषित बच्चों को नियमित रूप से लड्डू वितरण नहीं करने पर नाराजगी जाहिर करते हुए अगले 15 दिन में सुधार लाने के निर्देश दिये। इसके साथ ही नियमित गृहभेट कर बच्चों के अभिभावकों से बच्चों की बेहतर देखभाल एवं पौष्टिक भोजन के बारे में जानकारी देने कहा।

सुविचार

जो किस्मत में लिखा है वो तो मिल ही जाएगा अगर उससे ज्यादा पाना है तो मेहनत का दरवाजा खटखटाना ही पड़ेगा।

संसद परिसर में नई नौटंकी

संसद का मानसून सत्र इस बार भी हंगामों की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है यह गनीमत है कि विपक्ष के हंगामे के बावजूद एंटी पेपर लीक विधेयक और वंदे मातरम् विधेयक संसद के दोनों सदनों से पारित हो गया है किन्तु अभी महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयक के अलावा कई और महत्वपूर्ण विधेयक संसद में पेश होना बाकी है लेकिन विपक्ष जिस तरह हंगामा कर रहा है उसे देखते हुए इन विधेयकों का पारित होना तो दूर की बात है इनका पेश होना ही मुश्किल नजर आ रहा है। एंटी पेपर लीक विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष ने मुद्दे से अलग हटकर आरोप प्रत्यारोप लगाये उससे ही यह स्पष्ट हो गया है कि विपक्ष अपने दायित्व के प्रति गंभीर नहीं है। उसने हंगामा करना ही अपना मकसद बना रखा है। संसद के भीतर और बाहर दोनों जगह विपक्ष लगातार हंगामा कर रहा है अब जंतर मंतर पर हुए आंदोलन के दौरान छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन छेड़ रखा है वही टीएमसी के सांसद कल्याण बनर्जी ने संसद के बाहर अनोखा प्रदर्शन किया उन्होंने टीएमसी छोड़ गये 20 सांसदों को गद्दार बताते हुए उनके फोटो का प्रदर्शन किया। दूसरे दिन पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने तो सारी सीमाएं ही लांघ डाली और उन्होंने संसद परिसर में भगवा पहनकर साधू के वेश में चंदा चोरी करने की नौटंकी की। इस दौरान समाजवादी पार्टी के सांसद पप्पू यादव के सामने चंदा चोर गद्दी छोड़ के नारे लगाते रहे। पप्पू यादप जिन्होंने रामलला की फोटो हाथों में ले रखी थी उन्होंने सपा सांसद अवधेश प्रसाद के पैर पकड़कर माफी मांगने का अभिनय किया और इस दौरान उन्होंने रामलला की फोटो अवधेश प्रसाद के पैरों के सामने जमीन पर रख दी। यह न सिर्फ रामलला का बल्कि पूरे सनातन धर्म का अपमान है लेकिन इस नौटंकी को देख रहे तमाम विपक्षी सांसद जिसमें नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी शामिल थे वे सभी खिलखिलाकर हंस रहे थे। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव इस कर्तूत की संत समाज ने कड़ी निंदा की है और इसे सनातन का घोर अपमान बताया है। विपक्षी पार्टियों के सांसद जिस तरह संसद के भीतर और बाहर रोज नया तमाशा खड़ा कर रहे हैं और संसद की कार्यवाही को बाधित कर रहे हैं वह एक तरह से लोकतंत्र का मजाक ही है। ऐसा लगता है कि विपक्ष ने यह तय कर रखा है कि मानसून सत्र को चलने ही नहीं देना है और महत्वपूर्ण विधेयकों को पेश होने से ही रोकना है। पेपरलीक मामला सुलट गया तो अब चंदा चोरी के मामले को लेकर तमाशा खड़ा किया जा रहा है। इस मुद्दे को समाजवादी पार्टी ही जोर शोर से उठा रही है। क्योंकि उत्तरप्रदेश में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं और इस तरह की नौटंकी करके इसका चुनावी लाभ उठाना चाहती है। वहीं कांग्रेस गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग पर अड़ गई है। विपक्ष का यह रवैया कतई उचित नहीं है। उन्हें अपनी जो भी बात कहनी है उसे वे संसद के भीतर रख सकते हैं। बेहतर होगा कि वे संसद परिसर को राजनीति का अखाड़ा न बनाये और मानसून सत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर महत्वपूर्ण विधेयकों पर सार्थक चर्चा करें।

नगर निगम या नरक निगम

यजुवेंद्र सिंह
अधिवक्ता

पहली ही बरसात ने नगर निगमों की तैयारियों की वास्तविकता उजागर कर दी है। बड़े-बड़े दावे, स्मार्ट शहरों के सपने और विकास के वादे कागज़ों तक ही सीमित दिखाई दे रहे हैं। सड़कों पर जलभराव, टूटी सड़कें, जाम नालियाँ और अव्यवस्थित यातायात यह सवाल खड़ा करते हैं कि क्या यह नगर निगम है या "नरक निगम"?
सरकार विकास की नई-नई योजनाओं की घोषणा तो करती है, लेकिन नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं—जैसे जल निकासी, साफ-सफाई, मजबूत सड़कें और प्रभावी शहरी प्रबंधन—को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिलती। पहली ही बारिश में अधिकांश शहरों की व्यवस्था चरमरा गई। ऐसा प्रतीत होता है कि वर्षा ऋतु से निपटने के लिए न तो पर्याप्त तैयारी की गई और न ही योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हुआ।
विकास केवल घोषणाओं और विज्ञापनों से नहीं होता, बल्कि धरातल पर दिखाई देने वाली व्यवस्थाओं से होता है। जनता को ऐसे प्रशासन की आवश्यकता है जो वादों से आगे बढ़कर मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दे और हर मौसम में बेहतर शहरी जीवन सुनिश्चित करे।

‘नये भारत का नया अंदाज लिये आंदोलन का समापन’

राजीव खंडेलवाल

जंतर-मंतर पर ''घोषित उद्देश्यों'' की प्राप्ति तक चलने वाला अनिश्चितकालीन आंदोलन अंततः 36 दिनों बाद समाप्त हो गया। आंदोलन के प्रवक्ताओं ने केंद्रीय मंत्रियों जे.पी. नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह की उपस्थिति में संयुक्त प्रेस वार्ता कर आंदोलन समाप्ति की घोषणा की। देश ने राहत की सांस ली। छत्रपति संभाजी नगर (महाराष्ट्र) के एक युवा अभिजीत दिपके द्वारा सोशल मीडिया मंच ''इंस्टाग्राम'' पर शुरू किया गया यह अभियान आरंभ से लेकर समापन तक अनेक अप्रत्याशित घटनाओं, विचित्रताओं, आशंकाओं, नेतृत्व परिवर्तन, जनसमर्थन और राजनीतिक बहसों का केंद्र बना रहा। इस आंदोलन ने न केवल अनेक स्थापित धारणाओं को चुनौती दी, बल्कि लोकतांत्रिक आंदोलनों की भाषा, परिभाषा व वेशभूषाएं बदलने की दिशा में अग्रसर हुआ।

''घटनाक्रम क्रमवार।''

1 ''चिंगारी''

उच्चतम न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश न्यायाधिपति सूर्यकांत के द्वारा 15 मई को एक फर्जी लॉ डिग्री और सीनियर एडवोकेट पदनाम से जुड़ी सुनवाई के दौरान युवाओं पर की गई मौखिक टिप्पणी बेरोजगार ''कॉकरोच'' की तरह होते हैं, जिन्हें नौकरी नहीं मिलती है, वे मीडिया, सोशल मीडिया व ''आरटीआई एक्टिविस्ट'' बनकर सिस्टम पर हमला खड़ा करते हैं'' ने बवंडर खड़ा कर दिया। फलस्वरुप अगले दिन 16 तारीख को एक युवा दलित अभिजीत दिपके ने ''व्यंग्यात्मक ऑनलाइन मूवमैंट'' शुरू करने के लिए विशुद्ध गैर राजनीतिक ''कॉकरोच जनता पार्टी'' (CJP) के गठन की घोषणा की। ''विश्व इतिहास में सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर बनी सीजेपी पहली पार्टी''।

2 ''ऐतिहासिक समर्थन।''

जस्टिस सूर्यकांत द्वारा उक्त टिप्पणी से उत्पन्न बवाल होने के बाद दिए गए स्पष्टीकरण के बावजूद ''कॉकरोच'' कहने पर प्रतिक्रिया स्वरूप एक भारतीय नागरिक अभिजीत दिपके द्वारा अमेरिका के बोस्टन शहर से 16 मई को इंस्टाग्राम पर किए गए आवाहन की अनुक्रिया (रिस्पांस) में ऐतिहासिक 2 करोड़ 80 लाख लोगों का समर्थन, शायद विश्व में पहली बार ''इंस्टाग्राम'' पर हुआ।

3 ''दिल्ली आगमन''।

3 जून को भारत वापस लौटकर पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर मंतर पर 6 जून को प्रदर्शन करने की घोषणा की।

4 ''नेतृत्व परिवर्तन''।

20 जून से जनता मंतर पर आंदोलन प्रारंभ होने के बाद ''अचानक'' 28 जून को लद्धाख के प्रसिद्ध पर्यावरणविद, शिक्षा सुधारक, सामाजिक कार्यकर्ता व अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त सोनम वांगचुक के स्वप्रेरणा से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक ''अनशन'' पर बैठने से आंदोलन को ''गति'' मिली और वांगचुक इस आंदोलन के नेतृत्वकर्ता हो जाते हैं। प्रारंभ में आंदोलन मात्र तीन चार हजार लोगों तक ही सीमित रहा।

5 सोनम वांगचुक की तबीयत बिगड़ने पर 16 जुलाई को एक याचिका दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर की आती है, जिसमें ''चिकित्सा हस्तक्षेप'' की मांग की गई। तथापि इसे ''शंका की निगाहों'' से देखा जाता है।

5 ''अस्पताल में भर्ती''।

वांगचुक की तबियत बिगड़ने से 18 जुलाई को अचानक सुबह 6.00 बजे पुलिस द्वारा उन्हें सफेद चादर में लपेटकर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती किया गया। इससे आंदोलन को और तीव्र गति मिलती है। 21 जुलाई को सोनम की पत्नी गीतांजलि की याचिका पर न्यायालय के आदेश से वांगचुक को निजी अस्पताल मेदांता में स्थानांतरित किया गया।

6 ''राजनेताओं का प्रवेश''।

19 जुलाई को 20 तारीख को प्रारंभ होने वाले संसद के घेराव का ऐलान। विपक्षी दलों के नेतागण, फिल्म हस्तियां व अन्य सेलिब्रिटीज धरना स्तर पर आकर सोनम वांगचुक से मिलते हैं। अरविंद केजरीवाल, मनोज झा, कीर्ति आजाद, प्रशांत भूषण, स्वरा भास्कर, कुणाल कामरा, प्रकाश राज आदि।

7 ''बल प्रयोग''।

दिल्ली में पहली बार किसी आंदोलन पर ''पैलेट गन'' का इस्तेमाल रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) ने किया। साथ ही सादे कपड़े में पुलिस वाले लाठियां ''भूंज'' रहे थे।

8 ''पुनः नेतृत्व परिवर्तन''।

अचानक 21 जुलाई को राहुल गांधी की नेतृत्व में कांग्रेस सहित विपक्ष के सांसद गण प्रधानमंत्री आवास के सामने पहुंचकर धरने पर बैठ जाते हैं और इस प्रकार चल रहा आंदोलन का नेतृत्व छणिक राहुल गांधी के हाथों में आ जाता है। तत्पश्चात आंदोलन, युवा शक्ति व नागरिकों के हाथों में आ जाता है।

इस प्रकार आंदोलन में ''तीन बार'' उपरोक्तानुसार नेतृत्व परिवर्तन होने के बावजूद नेतृत्व किसी ''रजिस्टर्ड नेता'' के हाथ नहीं जाता है, जो आंदोलन को अपने आप में ऐतिहासिक बना देता है।

''आंदोलन के दो ''अंतराल''- दो रूप''।

भाजपा को इस आंदोलन को दो अंतराल के दो रूप को देखकर उसके ''अंतर'' को समझना होगा। प्रारंभिक चरण में 20 जुलाई के लाठी चार्ज से पहले तक आंदोलन देशव्यापी होने के बावजूद विशुद्ध रूप से विपक्षी दलों का रहा, जिसमें सामान्य निष्पक्ष नागरिकों की भागीदारी ''अल्प'' थी। लेकिन लाठी-चार्ज धक्का मुक्की, लडकियों के साथ दुर्व्यवहार के वीडियो वायरल होने पर भाजपा का बड़ा समर्थक वर्ग, जो अभी तक ''कॉकरोच आंदोलन'' में शामिल नहीं था और जो श्री राम मंदिर चढ़ावा कांड से भी बहुत नाखुश नहीं हुआ था, वह भी विचलित होकर आंदोलन में शामिल हो गया। इसका एक संकेत ''जोमैटो'' ''स्विगी'' कम्पनी द्वारा देश भर से जंतर-मंतर तक इतनी मात्रा में खाना पहुंचाया गया कि आंदोलनकर्ताओं को मना करना पड़ा। आंदोलनों के इतिहास में यह पहली बार हुआ। सामान्यतः ऐसी व्यवस्था स्थानीय स्तर पर ही होती रही हैं।

आंदोलन के परिणाम! खाता-बही! क्या खोया-क्या पाया?

कुछ मिथक टूटे। कुछ नए बने।

''पाया''।

1 डिजिटल जनक्रांति। जमीन पर अभी तक कोई संगठन नहीं? न ही बनाने के कोई संकेत?

2 विश्व के इतिहास में पहली बार इंस्टाग्राम पर सफल आंदोलन का आह्वान। 2 करोड़ 80 लाख लोगों का समर्थन। प्रधानमंत्री की अपील से ज्यादा रिस्पांस।

3 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ''इंस्टाग्राम'' का अधिक उपयोग करने लग गये।

4 राजनाथ सिंह का कथन ''एनडीए सरकार में इस्तीफे नहीं होते हैं,'' यह मिथक टूटा।

5 अभिजीत के भारत में एयरपोर्ट पर उतरते ही रेड कारपेट जैसा स्वागत कर उनके हाथों में जंतर मंतर पर प्रदर्शन आंदोलन की अनुमति देना अभूतपूर्व। स्वतंत्र भारत के इतिहास में ऐसा शायद पहली बार।

बस्तर में उच्च शिक्षा की नई भोर

विष्णु प्रसाद वर्मा
(सहायक संचालक)

छत्तीसगढ़ में केंद्र सरकार के ऐतिहासिक सहयोग और राज्य सरकार के समर्पित प्रयासों से बस्तर संभाग में विकास की नई गाथा लिखी जा रही है। विशेषकर बस्तर के युवाओं को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें मुख्यधारा में जोड़ने के लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा कई बड़े और बुनियादी कदम उठाए गए हैं। छतीसगढ़ सरकार और प्रशासन द्वारा बस्तर के युवाओं को उच्च शिक्षा व आगे बढ़ने के लिए ‘छू लो आसमान’, ‘ज्ञानगुड़ी’ और ‘हमर लक्ष्य’ जैसी विशेष पहल चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं के जरिए स्थानीय विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की मुफ्त कोचिंग, आर्थिक सहायता और बेहतर शैक्षणिक माहौल मिल रहा है।

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय को 100 करोड़ रुपए का अनुदान : बस्तर के युवाओं को विश्वस्तरीय और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से ‘प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान’ (PM-USHA) के अंतर्गत ‘मेरु’ (Multi Educational Research University- MERU) योजना के तहत शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर को 100 करोड़ रुपये का विशाल अनुदान प्रदान किया गया है। इस राशि का उपयोग विश्वविद्यालय में नवीन निर्माण, अधोसंरचना के उन्नयन, आधुनिक उपकरणों की खरीद तथा कार्यशाला, प्रशिक्षण, सेमिनार और कौशल विकास जैसे सॉफ्ट कंपोनेंट्स के लिए किया जाएगा। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों के व्यापक विस्तार के लिए 20 नए विभाग खोले गए हैं। शैक्षणिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 200 शैक्षणिक तथा 165 अशैक्षणिक (कुल 365) पदों की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिससे अंचल के युवाओं को बेहतर मार्गदर्शन और पठन-पाठन का वातावरण

मिल सकेगा।

रोजगारोन्मुखी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों पर जोर

युवाओं को आत्मनिर्भर और रोजगार से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय में कई व्यावसायिक व आधुनिक पाठ्यक्रमों की अनुमति दी गई है। इसमें शारीरिक शिक्षा, फार्मेसी, विधि (Law) तथा 4 वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (ITEP - Integrated Teacher Education Programme) का संचालन शामिल है। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों में ‘इनोवेशन महाकुंभ’ जैसे आयोजनों से छात्रों में नई सोच और तकनीकी कौशल को बढ़ावा मिल रहा है।

कॉलेजों के अधोसंरचना विकास के लिए 65 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति : बस्तर अंचल में शासकीय महाविद्यालयों के ढांचागत विकास को मजबूती देने के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 हेतु 65 करोड़ रुपये के कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। इस राशि से कॉलेज भवनों, अतिरिक्त कक्षों, बाउंड्रीवाल तथा छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावासों का निर्माण कराया जाएगा।

जिला मुख्यालयों के प्रमुख कॉलेजों को 5-5 करोड़ का विशेष फंड : बस्तर संभाग के जिला मुख्यालयों में स्थित उच्च शिक्षा संस्थानों की अधोसंरचना तथा कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जगदलपुर को 5 करोड़ रुपए का अनुदान दिया गया है। इसी तरह शासकीय इंदरु केंवट कन्या महाविद्यालय, कांकेर को भी 5 करोड़ रुपए का अनुदान नवीन निर्माण, उन्नयन एवं उपकरण खरीदी हेतु स्वीकृत किया गया है।

नए शासकीय-अशासकीय महाविद्यालयों का शुभारंभ और सीटों में वृद्धि : विगत दो वर्षों में बस्तर जिले के दूरस्थ क्षेत्रों तक शिक्षा का प्रकाश फैलाने के लिए नगरनार और किलेपाल में 02 नए शासकीय महाविद्यालय शुरू किए गए हैं। साथ ही कंगोली (जगदलपुर) में एक अशासकीय महाविद्यालय खोलने की अनुमति भी दी गई है। युवाओं की बढ़ती मांग को देखते हुए महाविद्यालयों में सीटों की संख्या बढ़ाई जा रही है तथा नए संकाय व रोजगारोन्मुखी कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में उच्च शिक्षा का बजट 50% बढ़ाकर युवाओं के लिए बेहतर अवसर, आधुनिक सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे इन दूरगामी परिवर्तनों और बुनियादी सुधारों से बस्तर का युवा न केवल शिक्षित हो रहा है, बल्कि रोजगार और स्व-रोजगार के अवसरों के साथ क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में अपना बहुमूल्य योगदान देने के लिए तैयार हो रहा है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1831 कलकत्ता मेडिकल कॉलेज की स्थापना हुई, जो भारत में आधुनिक चिकित्सा शिक्षा की एक बड़ी शुरुआत थी। 1914 - प्रथम विश्व युद्ध की शुरुआत, जर्मनी द्वारा रूस। 1920 महात्मा गांधी ने देश में असहयोग आंदोलन की शुरुआत की। 1975: विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 1 अगस्त से 7 अगस्त तक ‘विश्व स्तनपान सप्ताह’ मनाने की शुरुआत के संदर्भ में इस दिन को बेहद खास माना जाता है। 1995 - हब्बल दूरबीन ने शनि के एक और चन्द्रमा की खोज की। 1999: भारत के महान समाज सुधारक, लेखक और कवि अण्णाभाऊ साठे की जयंती। 2000 - ईरान में महिलाएं भी इमाम बनीं। 2004 - श्रीलंका ने प्रेमदासा स्टेडियम में आयोजित फ़ाइनल मैच में भारत को 25 रनों से हराकर एशिया कप जीत लिया। सनत जयसूर्या ‘मैन आफ़ द सिरीज’ बने। 2005 - सऊदी अरब के बादशाह फ़हद बिन अब्दुल अजीज का निधन, दिवंगत बादशाह के भाई शाहजादा अब्दुल्ला बिन अब्दुल अजीज को देश का नया शासक नियुक्त किया गया। 2006 - जापान ने दुनिया की पहली भूकम्प पूर्व चेतावनी सेवा शुरू की। 2007 - वियतनाम के हनोई शहर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलम्पियाड (आई.एम.ओ.) में भारतीय दल के छः सदस्यों ने तीन रजत पदक जीते। 2008 - अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बोर्ड ने भारत के विशेष निगरानी समझौते को हरी झंडी दी।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

सीधे जाओ तो... भइया थोड़ा तिरछा जाओ कुछ बोलो तो... आप गलत बोल रहे भैया सफेद पहनो... भइया काला पहने काला पहने तो... सफेद रंग झक्कास है भइया साइकिल में जाओ... भइया बाइक में जानाचाही बाइक में जाओ.. भइया कार अंडा देगा क्या दाढ़ी बढ़ जाए तो... भइया कैसे दिख रहे दाढ़ी कट जाए तो.. दाढ़ी ही अच्छा दिख रहा था उफ्फ़मै नहीं आप सभी के जीवन में भयंकर ऐसे टाइप गुरु होते माफ करना "गुरु घंटाल" होते जो आपको बात बात में पिन चुभाते,आपकी बात काटते खूब छकाते खूब पकाते... चलो चलो.... उन सबको बधाई दे आए।

- शत्रुंजय तिवारी

एक मां जिसने अपनी अबोध बेटी के लालन-पालन के लिए अपने सपनों की आहुति दे दी, अपने आकांक्षाओं का परित्याग कर दिया, और एक बेटी जिसने अनुकंपा पर सरकारी नौकरी पाने के लिए अपनी ही मां की हत्या करवा दी उफ.. ये समय की कैसी विडंबना है। **- प्रियंका प्रियदर्शिनी**

जंतर मंतर के त्वद्‌ठु त से मुझे एक बहुत बड़ी सीख मिली है कि चाहे कितने ही बड़े स्कूल में पढ़ने भेजो या डॉक्टर इंजीनियर जैसे उच्च स्तर की पढ़ाई करवाओ अपने बच्चे को संस्कार सभ्यता अनुशासन और व्यावहारिकता मुझे स्वयं ही सिखाना होगा किसी यूनिवर्सिटी के भरोसे नहीं बैठा जा सकता जैसे उनके माँ बाप बैठ गए। **- अनु नेवटिया**

गरीब का दुआ लोगों को गाली लगती है, और अमीर की गाली भी लोगों दुआ लगती है । गरीब होना सबसे बड़ी गलती है ,अब दिल्ली की जंतर मंतर में गरीब लोग प्रोटेस्ट करने गए थे तो बड़े लोगों की भावनाएं आहत हो गई और बड़े लोग जो गरीब के साथ कर रहे है वह सब जायज है अब देखिए न कंगना जी ही बेटियों पर कैसे टिप्पणी कर रहे हैं । **- लक्ष्मी नारायण**

पति प्राणी बड़े अजीब होते हैंज पत्नी की हर ख्वाहिश पूरी कर देंगे, बस नोट देते समय उनकी आत्मा काँपने लगती है! पति का प्यार अनलिमिटेड होता है, लेकिन पॉकेट मनी लिमिटेड! ?? पति इतने कंजूस क्यों होते हैं? क्योंकि उन्हें लगता है कि नोट भी परिवार के सदस्य हैं, जिन्हें घर से बाहर नहीं भेजना चाहिए!

- प्रीति श्रीवास्तव

पल दो पल तुम प्यार करो प्यार करो , इज़हार करो ज़ीस्त मिली छोटी यारो वक़्त नहीं बे-कार करो मिलने आया छत पर चाँद चलकर तुम दीदार करो यारो इश्क़ पे पहरा है इश्क़ नहीं अख़बार करो मिलकर रहो सभी भाई कभी नहीं तकरार करो क़ीमत समझो दिल की तुम दिल को मत बीमार करो दुश्मन को गले लगाओ आपस में मत मार करो 'ऐनुल' की यही नसीहत अपनी हद मत पार करो। - **‘ऐनुल’ बरौलवी**

मैंने पिछली पोस्ट पर लिखा कि सरकार को ह्ळ्ळ जैसे प्लेटफॉर्म्स अंकुश लगाना चाहिए, फिल्मों पर सेंसर बोर्ड को ध्यान देना चाहिए कि उनमें अश्लील भाषा न हो । मैंने सरकार से मांग की है...सरकार से जवाब माँगा है, सरकार की ग़लती बताई है। लेकिन लोग पोस्ट पूरी पढ़ते नहीं और अपनी राजनीतिक कुंठा कमेंट्स में निकालने लगते हैं। नेताओं के भाषण बच्चे नहीं सुनते, वे फिल्मों से प्रभावित होते हैं...इतनी सी बात जिन्हें समझ नहीं आती उन्हें कुछ भी समझाना व्यर्थ है।

- ममता लड़ीवाल

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन अकस्मात लाभ की प्राप्ती कराएगा लेकिन ध्यान रखें लापरवाही से कार्य करने पर आज जो विचार में नही रहेगा वह घटना घट सकती है।

वृषः आज के दिन सार्वजिनक कार्यो आपका महत्त्वपूर्ण योगदान स्वयं के साथ परिजनों का भी मान बढ़ाएगा किसी अपरिचित से कहासुनी भी हो सकती है धैर्य से काम लें। धन लाभ आवश्यकतानुसार होगा।

मिथुनः आज का दिन शुभफलदायक रहेगा। दिन के पूर्वार्ध और अंत मे शुभ कर्म के लिये प्रेरित होंगे घर मे मांगलिक आयोजन होने से नई ऊर्जा का संचार होगा।

कर्कः आज का दिन प्रतिकूल रहेगा खराब सेहत आज प्रत्येक कार्य मे बाधक बनेगी फिर भी जबरदस्ती कार्य करेंगे जिससे कम समय मे अधिक थकान बनेगी।

सिंहः आज परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी भाग्य का साथ भी मिलने से सोची हुई योजनाए निर्विघ्न पूर्ण कर सकेंगे। धार्मिक यात्रा एवं कार्यो में खर्च होगा।

कन्याः आज का दिन धन-धान्य में वृद्धि करने वाला रहेगा। दिन का आरंभिक भाग घरेलू व्यस्तता के कारण व्यावसायिक कार्यो से लाभ नही उठा सकेंगे।

तुलाः आज का दिन पूर्वार्ध में अस्त व्यस्त रहेगा लेकिन आज आपके सभी कार्य सही दिशा में आगे बढ़ेंगे मध्यान तक व्यक्तिगत अथवा अन्य कारणों से व्यवसायिक कार्यो में विलंब होगा।

वृश्चिकः आज का दिन आपके लिये विपरीत फलदायक रहेगा। परिवार के सदस्य आपसे अधिक सहयोग की अपेक्षा रखेंगे लेकिन टालमटोल करने पर घर का वातावरण खराब होगा।

धनुः आज के दिन आप अपनी कमियों को छुपाने का प्रयास करेंगे। लोगो के आगे अपनी बुद्धि चातुर्य का प्रदर्शन करेंगे बाहर से व्यवहारिकता लेकिन अंदर से ईर्ष्या और अहम की भावना रहेगी।

मकरः आज आपका मानसिक संतुलन स्थिर नही रहेगा असमंजस की स्थिति के कारण पल पल में निर्णय बदलेंगे इससे कार्य विलंब के साथ अन्य लोगो को परेशानी होगी ।

कुंभः आज का दिन आशानुकूल रहने से दिन भर प्रसन्न रहेंगे आज आपकी दिनचार्य व्यवस्थित नही रहेगी फिर भी सौभाग्य वृद्धि के योग बनने से सभी तरह से खुशहाली मिलेगी।

मीनः आज का दिन बनते कार्यो में विघ्न खड़े करेगा। दिन का पहला भाग शांति से व्यतीत करेंगे।

QUIZ TIME

1. उत्तर-पश्चिमी भारत में फलने-फूलने वाले किस राजवंश के राजाओं की उपाधि ‘देवपुत्र’ थी?
2. वर्ष 1976 में बनी किस फिल्म के आधार में यह कहा गया है कि गुजरात के पांच लाख दुग्ध उत्पादकों ने इस फिल्म में वित्तीय सहायता प्राप्त की थी?
3. ‘मेवाती और हाड़ौती’ बोलियाँ हिंदी में किस वर्ग की बोलियाँ हैं?
4. भाषा के संदर्भ में महात्मा गाँधी ने किसका समर्थन किया?
5. माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली असम की पहली महिला कौन हैं?

उत्तरमाला- (1) कुषाण (2) मंथन (3) राजस्थानी (4) हिंदुस्तानी (5) बचेंद्री पाल

RamaQuiz

कार्टून

न्यूज गैलरी

ओशो अनुयायियों ने मनाया गुरु पूर्णिमा उत्सव

जबलपुर। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मा प्रेम रौशनी निवास कजरवाड़ा में आशो प्रेमियों द्वारा ओशा के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर भावन सुमन अर्पित किया गया. इस दौरान ओशो के जीवन पर वक्ताओं ने प्रकाश डाला और उनके मार्ग के अनुसरण का संकल्प लिया.

नर्मदा में नहाने उतरा युवक डूबा, एक दिन बाद मिला शव

जबलपुर। तिलवारा घाट पर नर्मदा नदी में नहाने के दौरान डूबे युवक का शव घटना के करीब एक दिन बाद गोताखोरों ने बरामद कर लिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार रांझी के मानेगांव गांधी चौक निवासी राजेन्द्र कोल ने बताया कि उनका बेटा शशांक उर्फ संदेश कोल 29 जुलाई की दोपहर अपने दोस्त विपिन कोल के साथ पहले शाहनाला स्थित बुआ के घर गया था। वहां से दोनों तिलवारा घाट नर्मदा नदी में नहाने पहुंचे, जहां दोपहर करीब 3ः30 बजे नहाते समय शशांक गहरे पानी में डूब गया। लगातार तलाश के बाद 30 जुलाई की शाम तिलवारा घाट पर नाव चलाने वाले गोताखोरों ने युवक का शव नदी से बाहर निकाला।

लोकमान्य गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि आज

जबलपुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ एवं कांग्रेस के विभिन्न संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि पर आज 1 अगस्त शनिवार सुबह 10 बजे जवाहरगंज वार्ड स्थित लोकमान्य तिलक भूमि, तलैया में श्रद्धांजलि सभा एवं राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया जाएगा। कार्यक्रम में तिलक जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी।
इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष संजय यादव, सेवादल अध्यक्ष पं. सतीश तिवारी, महिला कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश यादव, स्वतंत्रता सेनानी संगठन अध्यक्ष राजेन्द्र रज्जू सराफ, प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज नामदेव तथा निर्माल जैन सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

गोविन्द दास यादव और अतिश बाजपेई को सेवानिवृत्त पर दी विदाई

जबलपुर। जनसम्पर्क विचार मंच की ओर से एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी में कार्यरत गोविन्द दास यादव और मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी में कार्यरत अतिश बाजपेई को सेवानिवृत्त के अवसर पर विदाई दी गई। उल्लेखनीय है कि गोविन्द दास यादव ने 38 वर्षों और अतिश बाजपेई ने 40 वर्षों तक कर्त्तव्यपरायणता व निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी को निभाया। गोविन्द दास यादव ने कई वर्षो तक अंतरक्षेत्रीय विद्युत हॉकी प्रतियोगिता में केन्द्रीय कार्यालय का प्रतिनिधित्व कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर पर जनसम्पर्क विचार मंच के अध्यक्ष राकेश पाठक व उपाध्यक्ष कमलेश पटेरिया ने सेवानिवृत्त होने वाले दोनों कार्मिकों के सेवाकाल और उनके उत्कृष्ट आचरण व व्यवहार का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने सेवाकाल में अनेक प्रतिमान स्थापित करके नए कार्मिकों के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस अवसर पर जनसम्पर्क विचार मंच की ओर से गोविन्द दास यादव व अतिश बाजपेई को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

चोरी की रेत से भरी ट्राली जब्त

जबलपुर। पाटन पुलिस ने गत दोपहर पेट्रोलिंग के दौरान गाडाघाट में अवैध रुप से ट्राली में परिवहन कर ले जा रही चोरी की रेत जब्त कर ली है, वहीं आरोपी मौके से फरार हो गया। पाटन थाना प्रभारी गोपिंद्र सिंह ने बताया कि गत दोपहर पेट्रोलिंग के दौरान ग्राम गाड़ाघाट निवासी छुट्ट उर्फ रुस्तम अपने स्वराज कंपनी का ट्रेक्टर में पीछे ट्राली लगाकर गाडाघाट हिरन नदी से रेत चोरी कर ट्राली में लोड़ कर गाडाघाट नरवा तरफ से होते हुये मिश्रान टपरिया तरफ किसी को बेचने की फिराक में जा रहा है7 पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस को देखकर आरोपी छुट्टू उर्फ रुस्तम ट्राली को ट्रेक्टर से अलग कर ट्रेक्टर लेकर भाग गया7 पुलिस ने मौके से रेत से भरी ट्राली जब्त करते हुए आरोपी ट्रेक्टर चालक छुट्ट उर्फ रुस्तम के विरुद्ध धारा 303 (2) बीएनएस 4/21 खान खनिज अधिनियम 53 म.प्र. गौड़ खनिज अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया

एमपीएमएसयू विखंडन को लेकर जनसंगठनों का प्रदर्शन

जबलपुर के हितों पर मंत्रियों की चुप्पी क्यों...?

नवप्रदेश/जबलपुर।

मेडिकल सांईस यूनिवर्सिटी (एमपीएमएसयू) के विभाजन के मुद्दे पर अब जनसंगठनों ने सरकार और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने जिला प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा पर जबलपुर के हितों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए उनसे प्रभारी मंत्री पद छोड़ने की मांग की है। मंच का कहना है कि यदि शहर के सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर भी प्रभारी मंत्री मौन हैं, तो उनके पद पर बने रहने का कोई औचित्य नहीं है। शुक्रवार को यहां घंटाघर में प्रदर्शन के दौरान जनसंगठनों के पदाधिकारियों ने कहा कि मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन के मुद्दे पर न केवल प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा, बल्कि महाकौशल क्षेत्र के कैबिनेट मंत्री राकेश सिंह, राजेंद्र शुक्ल और प्रह्लाद पटेल की चुप्पी ने भी नागरिकों को निराश किया है। संगठनों का आरोप है कि जबलपुर के हितों पर लगातार समझौता किया जा रहा है और जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल साबित हो रहे हैं।

नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के अध्यक्ष डॉ.पीजी नाजपांडे ने सवाल उठाया कि जब शहर के हितों की रक्षा ही नहीं हो पा रही, तो प्रभारी मंत्री का जबलपुर को क्या लाभ? संगठन का कहना है कि जगदीश देवड़ा को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए स्वयं प्रभारी मंत्री पद से अलग हो जाना चाहिए।

घंटाघर पर प्रदर्शनः मेडिकल यूनिवर्सिटी के विभाजन के विरोध में नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के नेतृत्व में घंटाघर के पास प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर नाराजगी जताते हुए सरकार से निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की। प्रदर्शन में डॉ. पी.जी. नाजपांडे, टी.के. रायचटक, डॉ. एन.बी. श्रीवास्तव, सुशीला कनोजिया, मनीष शर्मा, सुभाष चंद्रा, डॉ. के. सिंह, यशवंत कोष्टा, वेदप्रकाश अवस्थिया, घनश्याम सोनकर, डॉ. आर. लखेरा, अर्जुन कुमार, संतोष श्रीवास्तव, उमा दहिया, मयंक राज, अंकित गौरस्वामी, कुंवर सिंह, बृजेश साहू, अशोक नामदेव, मोहन श्रीवास्तव, माया कुशवाहा, हीरालाल कुशवाहा, प्रफुल्ल सबलेगा, रफीक कामरेड और रियाज कामरेड सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

अब यह मुद्दा केवल मेडिकल यूनिवर्सिटी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि जबलपुर के राजनीतिक नेतृत्व की जवाबदेही और शहर के हितों की लड़ाई का प्रतीक बनता जा रहा है।

कटनी की सीएसपी पर कई गंभीर आरोप

जबलपुर की एएसपी अनु बेनीवाल को मिली जांच की कमान

नवप्रदेश/जबलपुर।

कटनी की नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) नेहा पच्चीसिया पर अवैध वसूली और विभागीय लापरवाही के गंभीर आरोप लगने के बाद पुलिस महकमे में हलचल मच गई है। आरोपों की निष्पक्ष जांच के लिए दोनों मामलों की जांच जबलपुर की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति अनु बेनीवाल को सौंपी गई है।

जानकारी के अनुसार, ट्रांसपोर्ट व्यवसायी महेंद्र जैन ने 22 जुलाई को कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा को लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया कि 21 जुलाई की रात वाहन चेकिंग के दौरान उनकी हाईवा गाड़ी रोककर 30 हजार रुपये की मांग की गई। शिकायत में दावा किया गया है कि मौके पर 25 हजार रुपये नकद लिए गए, जबकि शेष 5 हजार रुपये अगले दिन चालक के माध्यम से देने की बात कही गई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि रकम नहीं देने पर वाहन जब्त कर कार्रवाई की धमकी दी गई। शिकायत के साथ साक्ष्य भी सौंपे गए हैं। हालांकि बाद में उन्होंने शिकायत वापस लेने का आवेदन भी एसपी को दिया।

मामले की प्रारंभिक जांच के बाद कटनी एसपी ने सीएसपी के चालक एवं आरक्षक केशव सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही प्रशासनिक फेरबदल करते हुए सीएसपी नेहा पच्चीसिया से कुठला, माधवनगर और रंगनाथ नगर थानों का प्रभार वापस लेकर यह जिम्मेदारी अजाक डीएसपी शिवा पाठक को सौंप दी गई।

इसी बीच सीएसपी के खिलाफ विभागीय जांच के दो अन्य मामले भी सामने आए हैं। एक हत्या के प्रकरण में निर्धारित 90 दिनों के भीतर न्यायालय में चालान प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण आरोपी को डिफॉल्ट जमानत मिलने का मामला जांच के दायरे में है। वहीं उसी प्रकरण के आरोपी ने न्यायालय में परिवाद दायर कर आरोप लगाया है कि कानूनी लाभ पहुंचाने के बदले उसकी मूल्यवान जमीन कम कीमत पर बिकवाई गई। पुलिस विभाग ने इन सभी आरोपों की गंभीरता को देखते हुए ट्रांसपोर्टर से कथित वसूली और हत्या प्रकरण में प्रक्रियागत अनियमितताओं से जुड़ी जांच जबलपुर की एएसपी अनु बेनीवाल को सौंप दी है। फिलहाल आरोपों की जांच जारी है और इनकी पुष्टि जांच रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी।

रादुविवि की सुस्त व्यवस्था से छात्र परेशान

कॉपी देखने के लिए फीस जमा, फिर भी एक महीने से इंतजार...

नवप्रदेश/जबलपुर।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (रादुविवि) की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। प्रोफेशनल कोर्स की उत्तरपुस्तिका देखने के लिए आवेदन करने वाले छात्र पिछले एक महीने से विश्वविद्यालय के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें न कॉपी दिखाई गई और न ही प्रशासन की ओर से कोई सूचना दी गई।

हैरानी की बात यह है कि उत्तरपुस्तिका देखने के लिए विद्यार्थियों ने एक हजार रुपये तक शुल्क जमा किया है, इसके बावजूद विश्वविद्यालय ने प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई। छात्रों का आरोप है कि न तो फोन किया गया और न ही कोई मैसेज भेजा गया, जिससे वे पूरी तरह असमंजस में हैं।

सबसे ज्यादा परेशानी एटीकेटी परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को हो रही है। जिन छात्रों को अपनी उत्तरपुस्तिका की जांच या अंकों की गणना में त्रुटि का संदेह है, वे यह तय नहीं कर पा रहे कि अगला एटीकेटी फॉर्म भरें या पहले कॉपी देखकर स्थिति स्पष्ट करें। उनका कहना है कि उत्तरपुस्तिका देखने के बाद ही पता चलेगा कि अंकों में सुधार की संभावना है या फिर दोबारा परीक्षा देना ही एकमात्र विकल्प रहेगा।

समय पर उत्तरपुस्तिका नहीं दिखाए जाने से विद्यार्थियों का शैक्षणिक भविष्य दांव पर लग गया है। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से तत्काल प्रक्रिया पूरी कर उत्तरपुस्तिकाएं उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि वे अपने भविष्य को लेकर सही निर्णय ले सकें।

बिजली कंपनियों में भी मिले सीपीसीटी में तीन साल की छूट : पाठक

नवप्रदेश/जबलपुर।

मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी. पी. पाठक ने बिजली कंपनियों में कार्यरत संविदा आधार पर नियुक्त अनुकंपा आश्रितों के हित में जारी नियमितीकरण आदेश में संशोधन की मांग उठाई है।

उनका कहना है कि राज्य शासन की तरह बिजली कंपनियों में भी नियमित नियुक्ति पाने वाले अनुकंपा आश्रितों को सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए तीन वर्ष की छूट दी जानी चाहिए।

राकेश पाठक ने कहा कि ऊर्जा विभाग के हालिया आदेश में कई विसंगतियां हैं, जिनके कारण वर्षों से कार्यरत संविदा अनुकंपा कर्मचारी नियमित नियुक्ति का लाभ लेने से वंचित हो सकते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि जब बिजली कंपनियों में राज्य शासन के सभी नियम लागू होते हैं, तो अनुकंपा आश्रितों को भी शासन की तरह तीन वर्ष की सीपीसीटी छूट मिलनी चाहिए। फेडरेशन ने मांग की है कि कर्मचारियों को मूल नियुक्ति तिथि से वरिष्ठता, वेतन संरक्षण, संविदा सेवा अवधि को पदोन्नति और वेतन निर्धारण में शामिल करने तथा वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ भी दिया जाए। साथ ही, सीपीसीटी लागू होने से पहले से सेवा दे रहे कर्मचारियों के अनुभव को परीक्षा के समकक्ष मानते हुए उन्हें पूर्ण छूट प्रदान की जाए।

कीचड़ ने खोल दी गांजा तस्करी की पोल

10 लाख की खेप छोड़ जंगल में भागा तस्कर

नवप्रदेश/जबलपुर।

किस्मत जब साथ छोड़ दे तो अपराध का सबसे बड़ा राज भी पल भर में खुल जाता है। खमरिया थाना क्षेत्र में ऐसा ही हुआ, जब वाहन चेकिंग से बचने के लिए कार मोड़कर भाग रहे तस्कर की गाड़ी कीचड़ में धंस गई।

कार निकालने की कोशिश नाकाम रही तो चालक वाहन चालू हालत में छोड़ जंगल के रास्ते फरार हो गया। पीछे पहुंची पुलिस ने कार की तलाशी ली तो डिक्की से करीब 20 किलो 433 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत करीब 10 लाख 21 हजार रुपये आंकी गई है।

खमरिया थाना प्रभारी राजकुमार खटीक के मुताबिक, गुरुवार देर रात अमझर घाटी में पुलिस की वाहन चेकिंग चल रही थी। इसी दौरान शहर की ओर आ रही अल्टो कार (सीजी-04-एचबी-6745) का चालक पुलिस को देखकर अचानक गाड़ी मोड़कर भागने लगा। जल्दबाजी में कार सड़क किनारे कीचड़ में फंस गई। पुलिस को अपनी ओर आता देख चालक कार छोड़कर जंगल की तरफ भाग निकला।

पुलिस ने कार की तलाशी ली तो डिक्की में रखे नीले-सफेद थैले और दो प्लास्टिक की बोरियों में 10 पैकेट गांजा बरामद हुए। तौल कराने पर कुल वजन 20 किलो 433 ग्राम निकला। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 10 लाख 21 हजार 650 रुपये बताई गई है।

पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फरार तस्कर की पहचान और गांजे की सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए कार के रजिस्ट्रेशन और अन्य सुरागों के आधार पर जांच तेज कर दी गई है।

2 दिवसीय नि:शुल्क श्रवण क्षमता शिविर आज से

जबलपुर। स्वर्गीय डॉ. कैलाश नाथ मेहरा की प्रथम पुण्यतिथि पर वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक प्रा. लि. द्वारा आज से दो दिवसीय नि :शुल्क श्रवण क्षमता जाँच एवं विशेषज्ञ परामर्श शिविर का शुभारंभ किया जा रहा है।

क्लिनिक की डायरेक्टर डॉ. सोनल मेहरा ने इस संदर्भ में बताया कि समय पर श्रवण जाँच से न केवल सुनने की क्षमता को सुरक्षित रखा जा सकता है, बल्कि भविष्य में होने वाली गंभीर समस्याओं से भी बचाव संभव है।

उन्होंने बताया कि शिविर में चीफ ऑडियोलॉजिस्ट विशाल मेहरा एवं उनकी विशेषज्ञ टीम द्वारा अत्याधुनिक तकनीक एवं विश्वस्तरीय उपकरणों की सहायता से श्रवण परीक्षण एवं परामर्श प्रदान किया जाएगा। शिविर में चीफ ऑडियोलॉजिस्ट विशाल मेहरा के साथ ऑडियोलॉजिस्ट मेधा साहू, आयुष दुबे, अनूप द्विवेदी, शिवम जोशी, सियाराम पाल एवं सुमन राज भी अपनी सेवाएँ प्रदान करेंगे तथा हितग्राहियों का परीक्षण एवं विशेषज्ञ परामर्श देंगे।

जिला के तैराक विजेता अब राज्य स्तरीय स्पर्धा में दिखाएंगे दम

जबलपुर। डी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल, एकता परिसर में जिला शिक्षा विभाग द्वारा जिला स्तरीय शालेय तैराकी प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 14, 17 और 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं ने फ्री-स्टाइल, बैक स्ट्रोक, ब्रेस्ट स्ट्रोक और बटरफ्लाई स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन किया। विजेता खिलाड़ियों का चयन आगामी माह ग्वालियर में होने वाली मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय शालेय एक्वाटिक चैंपियनशिप के लिए किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला शिक्षा क्रीड़ा अधिकारी सुश्री मधुमिता हाजरा के मार्गदर्शन में हुआ। स्कूल की प्राचार्य श्रीमती मीनल मंधान ने विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की। प्रतियोगिता में विशिष्ट अतिथि हरकरन सिंह, चंदन सिंह यादव, वेदप्रकाश चौबे, अध्यक्ष संजय पटेल, प्रतीक यादव, नंदन बर्मन एवं नित्या कुशवाहा उपस्थित रहे। तकनीकी संचालन सुनील कुमार पटेल और उनकी टीम ने किया, जबकि प्रतियोगिता का संचालन सुनील कुमार पटेल एवं प्रतीक यादव ने किया। प्रतियोगिता के अंत में सभी विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

ट्रांसको के नव नियुक्त जेई दिल्ली में ले रहे प्रशिक्षण

नवप्रदेश/जबलपुर।

मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के नव नियुक्त जूनियर इंजीनियरों के लिए राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान (एनपीटीआई), बदरपुर नई दिल्ली में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कार्यस्थल सुरक्षा को समर्पित शपथ ग्रहण सत्र आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में ट्रांसमिशन सिस्टम के आपरेशन एवं मेंटेनेंस , ग्रिड प्रबंधन, परियोजना क्रियान्वयन, नेतृत्व विकास, संचार कौशल, विद्युत एवं अग्नि सुरक्षा सहित विभिन्न तकनीकी एवं व्यावसायिक विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इसी क्रम में आयोजित एक सत्र में देश के प्रख्यात पावर इंजीनियर एवं ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञ डॉ. राजेश अरोरा ने प्रशिक्षु अभियंताओं को एमपी ट्रांसको की जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी के अनुरुप सुरक्षित कार्य संस्कृति के महत्व से अवगत कराया।

एमपी ट्रांसको के मुख्य अभियंता मानव संसाधन एवं प्रशासन धीरेंद्र सिंह ने बताया कि 60 नव नियुक्त जूनियर इंजीनियरों के बैच के लिए आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें ट्रांसमिशन क्षेत्र की नवीनतम तकनीकों, आपरेशनल प्रक्रियाओं तथा पेशेवर दायित्वों से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

कांग्रेस ने मोर्चा खोला, एसई को बातचीत की रिकार्डिंग सुनाई

गरीब ई-रिक्शा चालक से बिजली कनेक्शन के लिए रिश्वत मांगने का आरोप

नवप्रदेश/जबलपुर।

शहर में बिजली कनेक्शन देने के नाम पर कथित रिश्वतखोरी का मामला सामने आने के बाद कांग्रेस ने बिजली विभाग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

गजरथ नगर, गंगानगर निवासी एक गरीब ई-रिक्शा चालक ने आरोप लगाया है कि नया बिजली कनेक्शन देने के एवज में साउथ डिवीजन के एक लाइनमैन ने 10 हजार रुपये की मांग की। मामले को लेकर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने अधीक्षण अभियंता को शिकायत सौंपते हुए बातचीत की रिकॉर्डिंग सहित अन्य साक्ष्य भी उपलब्ध कराए हैं।

कांग्रेस का आरोप है कि यदि गरीब उपभोक्ताओं से खुलेआम रिश्वत मांगी जा रही है तो यह केवल एक कर्मचारी का मामला नहीं, बल्कि विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल है। शिकायत में संबंधित लाइनमैन के निलंबन, निष्पक्ष जांच और पूरे बिजली विभाग में कथित अवैध वसूली नेटवर्क की जांच की मांग की गई है।

सौरभ नाटी शर्मा ने चेतावनी दी है कि 24 घंटे के भीतर दोषी के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो मिशन कंपाउंड स्थित अधीक्षण अभियंता कार्यालय के सामने कांग्रेस अनिश्चितकालीन धरना शुरू करेगी। शिकायत सौंपने के दौरान शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा के साथ संगठन महासचिव रितेश गुप्ता, शहर जिला कांग्रेस प्रवक्ता प्रवेंद्र चौहान, जन समस्या निवारण प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अनुज श्रीवास्तव, ब्लॉक अध्यक्ष मेवालाल पटेल, हुकुम जैन, रितेश नोतनानी, कैलाश ठाकुर, अवधेश गुप्ता, पंकज निगम, संजय जैन, विशाल सोलंकी, भरत पटेल, विक्रम सिंह, राजकुमार सोनी, जग्गू जैन, मलखान पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

न्यूज गैलरी

राजस्व विभाग की बड़ी कार्रवाई, डेढ़ करोड़ रुपये मूल्य की शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण एवं अवैध कब्जे करने तथा अवैध कालोनी विकसित करने वालों के विरुद्ध अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को बिचौली हप्सी अनुभाग में प्रभावी एवं बड़ी कार्रवाई की गई। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अजय भूषण शुक्ला, तहसीलदार अनिल पटेल, हल्का पटवारी एवं राजस्व अमले की संयुक्त टीम ने ग्राम बिहाड़िया में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाकर लगभग 1.5 करोड़ रुपये मूल्य की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। कार्रवाई के दौरान ग्राम बिहाड़िया स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 264/1, रकबा 6.438 हेक्टेयर में से राजाराम पिता शंकरलाल यादव द्वारा शासकीय भूमि के लगभग एक एकड़ क्षेत्र पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। इस दौरान मौके पर बने टिन शेड को ध्वस्त कर शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया। इसके साथ ही अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध अभियान के तहत अवैध कॉलोनाइजर अतुल अग्रवाल द्वारा भूमि सर्वे क्रमांक 241/6/1 एवं 241/6/2 पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी के निर्माण को भी ध्वस्त किया गया। यह कॉलोनी भूमि स्वामी श्रवण यादव, लाल सिंह, लक्ष्मीनारायण पुत्र मोहन एवं अन्य की भूमि पर बिना वैधानिक अनुमति के विकसित की जा रही थी। कार्रवाई के दौरान एसडीएम अजय भूषण शुक्ला, तहसीलदार अनिल पटेल सहित राजस्व विभाग का अमला उपस्थित रहा। वहीं, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दीपक चौहान के नेतृत्व में ग्राम खेमाना एवं चौहानखेड़ी की कांकड़ स्थित शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई। इस दौरान अतिक्रमणकर्ता जीवन गोयल द्वारा शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को हटाकर लगभग 0.549 हेक्टेयर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। मुक्त कराई गई भूमि का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 4 करोड़ रुपये है। राजस्व अमले की उपस्थिति में पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न की गई। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा तथा राजस्व एवं पुलिस विभाग के समन्वित प्रयासों से कार्रवाई सफलतापूर्वक पूरी की गई।

रोबोटिक्स कार्यशाला का आयोजन किया

इन्दौर। शासकीय स्कूल बसांद्रा में 10 दिवसीय रोबोटिक्स कार्यशाला का आयोजन संस्था फिक्की फ्लो द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें कक्षा 11 और 12 की 50 छात्राओं ने रोबोटिक्स और इनोवेशन का व्यावहारिक प्रशिक्षण लिया। टीमों में काम करते हुए उन्होंने दस काम करने वाले रोबोटिक मॉडल बनाए। इससे कक्षा की पढ़ाई और असली दुनिया के बीच की दूरी कम होने के साथ छात्राओं में रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और समस्या सुलझाने की क्षमता विकसित हुई। वहीं वित्तीय साक्षरता से जोड़ने के लिए कार्यशाला में लाइव मार्केट अनुभव को साझा किया गया। प्रतिभागियों ने लाइव मार्केट स्क्रीन देखकर डीमैट और ट्रेडिंग अकाउंट की बुनियादी बातें, फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस तथा मार्जिन मनी की जानकारी हासिल कर निवेश का महत्व भी समझा। इस दौरान संस्था द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य जांच और मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता शिविर भी लगाया गया।

देवरानी जेठानी में मारपीट, केस दर्ज

इन्दौर। पारिवारिक विवाद में देवरानी जेठानी के मारपीट का मामला थाने तक जा पहुंचा। मामला राऊ थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार सावित्रीबाई पति सोहन सिंह तंवर उम्र पचास साल निवासी ग्राम हिम्मतगढ़ रंगवासा ने शिकायत दर्ज कराते बताया कि उनके बेटे की शादी दूसरे समाज में करने की चर्चा को लेकर परिवार की ही सदस्य भूरीबाई ने विवाद शुरू कर दिया। दोनों के बीच पहले कहासुनी हुई, लेकिन देखते ही देखते विवाद ने उग्र रूप ले लिया। आरोप है कि विरोध करने पर भूरीबाई ने सावित्रीबाई के साथ मारपीट कर दी, जिससे उन्हें चोटें आई। थाना प्रभारी मीना कर्णावत के अनुसार दोनों महिलाएं एक ही परिवार की हैं। और पारिवारिक विवाद में उनके बीच मारपीट हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

आरक्षक लापता, पत्नी ने दर्ज कराई गुमशुदगी

इन्दौर। संदिग्धावस्था में एक आरक्षक के लापता होने के मामले में उसकी पत्नी ने गुमशुदगी दर्ज कराई है। मामला आजाद नगर थाना क्षेत्र का है और आरक्षक पुलिस की एसबी शाखा में पदस्थ हैं। मामले में बताया जा रहा है और वह घर से सिंहस्थ ट्रेनिंग पर जाने की बात कहकर निकला, लेकिन फिर वापस नहीं लौटा। परिजनों ने रिश्तेदारों से लेकर सभी संभावित जगहों पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिलने पर पत्नी ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार रीना चौहान निवासी मूसाखेडी ने पति नीलेश चौहान उम्र उनतीस साल की गुमशुदगी दर्ज कराते हुए बताया पति एसबी शाखा में आरक्षक के पद पर पदस्थ हैं।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भाद में गुरुपूर्णिमा पखवाड़ा का हुआ भव्य समापन

नव प्रदेश इन्द्रपाल यादव

अनूपपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भाद में 15 जुलाई से प्रारंभ हुए गुरुपूर्णिमा पखवाड़ा का समापन 29 जुलाई 2026 को गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर विविध प्रेरणादायक एवं सामाजिक गतिविधियों के साथ उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ वीणापाणी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। विद्यार्थियों ने समस्त गुरुजनों का पुष्पमालाओं एवं अभिनंदन के साथ स्वागत कर गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया तथा स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई। बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए सभी छात्राओं को सेनेटरी पैड वितरित किए गए। साथ ही सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन एवं इंसीनेटर मशीन के उपयोग की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के दौरान वर्ष 2026 की वार्षिक परीक्षा में कक्षा 6 से 12 तक उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान एवं पुरस्कार वितरण किया गया। विद्यालय के लिए गौरव का विषय रहा कि कक्षा 10वीं एवं 12वीं का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। इस उत्कृष्ट उपलब्धि में योगदान देने वाले सभी शिक्षकों का भी सम्मान कर उनके कार्यों की सराहना की गई। लगभग 15 दिनों तक चले गुरुपूर्णिमा पखवाड़ा में आयोजित विभिन्न गतिविधियों ने विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं गुरु सम्मान की भावना को सुदृढ़ किया। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों द्वारा प्रेरणादायक गीत की प्रस्तुति के साथ उत्साह एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में किया गया।

विद्यालय परिवार ने इस सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी शिक्षकगण, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

महाकाल की सवारी में 39वें वर्ष भी पारंपरिक राजसी वेशभूषा में शामिल होंगे स्वामी मुस्कुराके

उज्जैन।

श्रावण-भाद्रपद मास में निकलने वाली भगवान महाकालेश्वर की पारंपरिक सवारी इस वर्ष भी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत की भव्य झलक प्रस्तुत करेगी। पिछले 38 वर्षों से इस परंपरा का निर्वहन कर रहे स्वामी मुस्कुराके (शैलेंद्र व्यास) इस बार लगातार 39वें वर्ष विशेष राजसी वेशभूषा धारण कर बाबा महाकाल की सवारी में शामिल होंगे।

शैलेंद्र व्यास ने बताया कि उनकी मंडली के सदस्य देश के विभिन्न राज्यों की पारंपरिक राजसी वेशभूषा और विशिष्ट पगड़ियों के साथ हाथों में राष्ट्रध्वज तिरंगा लेकर सवारी में शामिल होंगे। इस वर्ष दक्षिण भारतीय शैली के साथ गुजरात, राजस्थान, कर्नाटक, ओडिशा, असम और केरल की पारंपरिक राजसी वेशभूषाओं का प्रदर्शन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस बार सिंहस्थ महाकुंभ पगड़ी, शौर्य सिंदूर पगड़ी, चंद्रयान, ब्रह्मोस मिसाइल, तिरंगा, सूर्ययान, त्रिशूल पगड़ी तथा मयूर मुकुट विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। सवारी में स्वामी खिलखिलाके (मनोहर गुप्ता), स्वामी दिल मिलाके (दिनेश रावल), स्वामी गुदगुदाके (मोहित गेहलोत) और पप्पू तलवार भी पारंपरिक राजसी परिधान में बाबा महाकाल की आराधना करते हुए शामिल होंगे।

शैलेंद्र व्यास के अनुसार, भगवान महाकालेश्वर की सवारी का उल्लेख 11वीं शताब्दी की पांडुलिपियों में मिलता है। परमार वंश के राजा भोज ने इस परंपरा को राजकीय उत्सव का स्वरूप दिया था। उस समय सवारी में लोक कलाकार, संगीतकार और करतब दिखाने वाले कलाकार शामिल होते थे, जबकि राजा भोज स्वयं सेना और लाव-लश्कर के साथ पालकी के आगे चलते थे।

उन्होंने बताया कि मराठा शासनकाल में सिंधिया वंश के राणोजी सिंधिया ने महाकाल मंदिर के जीर्णोद्धार के साथ इस परंपरा को भी नया स्वरूप दिया। उनके समय से सवारी में रथ, गजराज, लोक परंपराओं और राजसी वेशभूषा को प्रमुख स्थान मिला, जिसकी झलक आज भी देखने को मिलती है।

स्वामी मुस्कुराके ने कहा कि उनकी मंडली पिछले 38 वर्षों से इस ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत बनाए हुए है। इस वर्ष भी सभी सदस्य पारंपरिक स्वरूप में शामिल होकर महाकाल की सवारी की भव्यता और गौरव को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

गैस सिलेंडर के अवैध भंडारण और रिफिलिंग पर खाद्य विभाग की छापामार कार्रवाई

इंदौर।

मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण, रिफिलिंग एवं बिक्री के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को खाद्य विभाग के संयुक्त निरीक्षण दल ने सघन कार्रवाई की।

सहायक आपूर्ति अधिकारी एन.एस. मुवेल, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अंकुर गुप्ता एवं सुश्री सुचिता दुबे के संयुक्त दल ने सागौर कुटी, धर्मकुंज गेट के पास स्थित एक परिसर पर औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान गुलाब शाह द्वारा अवैध रूप से गैस सिलेंडरों का भंडारण एवं कारोबार किया जाना पाया गया। कार्रवाई के दौरान मौके से अवैध रूप से संग्रहित 17 गैस सिलेंडर जब्त किए गए। आरोपी गुलाब शाह के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम - 1955 की धारा 3/7 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विधिसम्मत कार्रवाई की गई।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि आवासीय एवं घनी आबादी वाले क्षेत्रों में गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण, रिफिलिंग और बिक्री जैसी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान निरंतर जारी रहेगा। आमजन से भी ऐसी अवैध गतिविधियों की जानकारी प्रशासन को उपलब्ध कराने की अपील की गई है, ताकि जनसुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

शिवसेना नगर अध्यक्ष बरकत कुरैशी ने कोतमा में बिजली कटौती को लेकर दिया ज्ञापन

नव प्रदेश अनूपपुर/कोतमा। कोतमा क्षेत्र में पिछले कई महीनों से हो रही अनियमित एवं अघोषित बिजली कटौती से आमजन परेशान है। इस समस्या को लेकर शिवसेना उद्धव बाळासाहेब ठाकरे के नगर प्रमुख बरकत कुरैशी ने शिवसेना के शहडोल संभाग अध्यक्ष पवन पटेल के आदेश पर सहायक अभियंता को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि दिन में कई-कई घंटे बिजली गुल रहती है और रात में भी बिना सूचना के कटौती की जा रही है।

इससे घरेलू काम, बच्चों की पढ़ाई, छोटे व्यापारियों का काम और आवश्यक उपकरण प्रभावित हो रहे हैं। गर्मी के मौसम में लो-वोल्टेज और कटौती के कारण लोगों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बरकत कुरैशी ने कहा कि इस संबंध में कुछ महीने पूर्व भी कार्यालय में ज्ञापन दिया गया था और समस्या समाधान का आश्वासन दिया गया था, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है।

शिवसेना ने मांग की है कि अघोषित कटौती पर रोक लगाई जाए और क्षेत्र में नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए अन्यथा शिवसेना कोतमा नगर इकाई बिजली ऑफिस घेराव के लिए बाध्य होगी जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

भेड़ाघाट के लिटिल हार्ट स्कूल में आरटीओ की कार्रवाई, फिटनेस विहीन बस जब्त

जबलपुर।

मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में भेड़ाघाट स्थित लिटिल हार्ट हायर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय की टीम ने औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान स्कूल में संचालित पांच नए वाहन बिना पंजीयन के चलते पाए गए। इस पर आरटीओ टीम ने स्कूल प्रबंधन को आवश्यक निर्देश दिए।

इसके बाद स्कूल प्रशासन ने अपने लेटर पैड पर लिखित आश्वासन दिया कि सभी पांच वाहनों का आगामी सात दिनों के भीतर विधिवत पंजीयन कराया जाएगा तथा तब तक उनका संचालन नहीं किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान आरटीओ अधिकारियों ने स्कूल के अन्य वाहनों के दस्तावेजों की भी जांच की। इस दौरान वाहन क्रमांक एमपी-20 डीए-2089 की स्कूल बस बिना वैध फिटनेस प्रमाणपत्र के संचालित पाई गई। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर आरटीओ टीम ने बस को तत्काल जब्त कर लिया और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई के लिए आरटीओ कार्यालय भेज दिया। मामले में मोटर वाहन अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

परिवहन विभाग के अनुसार छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूल वाहनों की नियमित जांच की जा रही है। इसी अभियान के तहत भेड़ाघाट स्थित स्कूल में यह कार्रवाई की गई। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना पंजीयन अथवा आवश्यक दस्तावेजों के वाहन संचालित करने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

महिदपुर में निजी विद्यालय के शिक्षक की कमरे में मौत, प्रारंभिक जांच में हार्ट अटैक की आशंका

उज्जैन। उज्जैन जिले की महिदपुर तहसील में एक निजी विद्यालय के शिक्षक की किराए के कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने दरवाजा तोड़कर कमरे में प्रवेश किया और शिक्षक को अचेत अवस्था में अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में मौत का कारण हृदयाघात माना जा रहा है।

महिदपुर थाना प्रभारी अशोक पाटीदार ने बताया कि मृतक की पहचान संजय नाग (59), पिता उपेंद्र नाग, निवासी बोलांगीर (ओडिशा) के रूप में हुई है। वह पिछले कुछ समय से महिदपुर स्थित एमपीएस एकेडमी में शिक्षक के रूप में कार्यरत थे और सुभाष पथ स्थित एक मकान की तीसरी मंजिल पर किराए के कमरे में अकेले रहते थे। मकान मालिक निखिल कोचर के अनुसार, शुक्रवार सुबह काफी देर तक संजय नाग कमरे से बाहर नहीं निकले। कई बार दरवाजा खटखटाने और संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और अंदर से बंद कमरे का दरवाजा तोड़कर प्रवेश किया। कमरे के भीतर संजय नाग जमीन पर पड़े मिले। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना पर फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम ने भी मौके का निरीक्षण किया। पुलिस के अनुसार, कमरे में किसी प्रकार की तोड़फोड़, संघर्ष या बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं।

मृतक के परिजनों ने पुलिस को बताया कि संजय नाग पहले से उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी बीमारी से पीड़ित थे। उन्होंने किसी पर भी संदेह व्यक्त नहीं किया और पोस्टमार्टम कराने से भी इनकार कर दिया। पुलिस ने परिजनों की लिखित सहमति के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की।

बारिश में मंडरा रहा बड़े हादसे का खतरा

एक साल बाद भी 51 में सिर्फ 9 जर्जर शासकीय भवन ढहे

अनूपपुर।

मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में वर्ष 2025 में सुरक्षा की दृष्टि से चिन्हित किए गए जर्जर शासकीय भवन आज भी लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं।

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के निरीक्षण के बाद जिले के विभिन्न नगर निकायों में कुल 51 जर्जर भवनों को ध्वस्तीकरण (डिस्मेंटल) के लिए चिन्हित किया गया था। इन भवनों को हटाने के लिए जिला स्तर से 30 जुलाई 2025 को नगर निकायों को एनओसी भी जारी कर दी गई थी, लेकिन एक वर्ष बाद भी कार्रवाई बेहद धीमी रही। अब तक केवल 9 भवनों को ही हटाया जा सका है, जबकि 42 जर्जर भवन आज भी जस के तस खड़े हैं।

लगातार हो रही बारिश के बीच इन भवनों के कभी भी भरभराकर गिरने की आशंका बनी हुई है। ऐसे में आसपास रहने वाले लोगों, राहगीरों और स्कूली बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

अनूपपुर नगर पालिका में सबसे खराब स्थिति: सबसे अधिक 19 जर्जर भवन नगर पालिका अनूपपुर क्षेत्र में चिन्हित किए गए थे, लेकिन इनमें से एक भी भवन अब तक नहीं हटाया गया है। वहीं नगर परिषद अमरकंटक में 13 भवनों में से केवल 1, नगर पालिका बिजुरी में 9 में से 4, नगर परिषद जैतहरी में 5 में से 3 तथा नगर पालिका कोतमा में 1 में से 1 भवन को हटाया गया है। इसके अलावा पसान और बरगवां (अमलाई) में चिन्हित भवनों पर भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

नोटिस जारी, फिर भी कार्रवाई अधूरी: जिले के सभी नगरीय निकायों, एसईसीएल तथा अन्य निजी संस्थानों के जर्जर भवनों को लेकर संबंधित विभागों को नोटिस जारी किए गए थे। लोक निर्माण विभाग ने ध्वस्तीकरण के लिए सहमति भी प्रदान कर दी थी, लेकिन अधिकांश नगर निकायों ने कार्रवाई नहीं की। कुछ भवनों को मरम्मत योग्य बताकर छोड़ दिया गया, जबकि कई भवनों का ध्वस्तीकरण अब भी लंबित है।

बारिश में बढ़ा खतरा: बरसात के मौसम में जर्जर भवनों की दीवारें और छतें अचानक गिरने की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। तीन दिन पहले ही कोतमा नगर पालिका क्षेत्र में एक जर्जर भवन का हिस्सा भरभराकर गिर गया था। वहीं करीब छह महीने पहले कोतमा में एक तीन मंजिला लॉज भी धराशायी हो चुका है। इसके बावजूद शेष जर्जर भवनों को हटाने की दिशा में अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।

निकायवार स्थिति: जिले में 51 जर्जर शासकीय भवनों में अबतक 9 ही हटाये गये 42 अब भी बाकी हैं। जिसमे नपा बिजुरी के वार्ड क्रमांक 9 में से 5 हटाये गये। नगर परिषद जैतहरी में 5 मे से 3 हटाये गये, अमरकंटक में 13 में 1 हटाया गया। नपा अनूपपुर में 19 में अबतक कोई कार्यवाही नहीं हुई। कोतमा में 1 पसान में 2, बरगवां (अमलाई) 2 की हटाने की कार्यवाही नहीं की गई हैं।

शिकायत की जांच जबलपुर स्थानांतरित

अवैध वसूली मामले में सीएसपी नेहा पच्चीसिया के खिलाफ जांच तेज

कटनी।

मध्य प्रदेश के कटनी में पदस्थ नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) नेहा पच्चीसिया के खिलाफ अवैध वसूली के आरोपों की जांच अब नए स्तर पर पहुंच गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) ने जांच कटनी से हटाकर जबलपुर स्थानांतरित कर दी है।

अब दोनों प्रमुख शिकायतों की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) जबलपुर अनु बेनीवाल कर रही हैं।

जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता महेंद्र जैन और अन्य संबंधित गवाह जबलपुर पहुंचकर एएसपी अनु बेनीवाल के समक्ष अपने बयान दर्ज कराने वाले हैं।

इससे पहले मामले की प्रारंभिक जांच कटनी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य कर रहे थे।

ट्रांसपोर्ट व्यवसायी महेंद्र कुमार जैन ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया था कि वाहन जांच के दौरान उनकी हाईवा गाड़ी रोककर 30 हजार रुपये की मांग की गई। शिकायत के अनुसार, मौके पर 25 हजार रुपये नकद लिए गए, जबकि शेष 5 हजार रुपये अगले दिन चालक के माध्यम से मंगवाए गए। शिकायतकर्ता ने अपने आवेदन के साथ कुछ साक्ष्य भी प्रस्तुत किए और निष्पक्ष जांच की मांग की।

शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने प्रारंभिक कार्रवाई के तहत सीएसपी के चालक आरक्षक केशव सिंह को निलंबित कर दिया था। साथ ही प्रारंभिक जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य को सौंपी गई थी। प्रशासनिक फेरबदल के तहत सीएसपी नेहा पच्चीसिया के कार्यक्षेत्र से कुठला, माधवनगर और रंगनाथ नगर थाना हटाकर उनका प्रभार अजाक डीएसपी शिवा पाठक को सौंप दिया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह प्रशासनिक व्यवस्था के तहत किया गया निर्णय है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य ने बताया कि शिकायतकर्ता के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। अब मामले की विस्तृत जांच जबलपुर में की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। नेहा पच्चीसिया मूलतः मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले की पचोर तहसील के एक शिक्षक परिवार से हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) परीक्षा में वर्ष 2016 में चयन प्राप्त कर उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) के रूप में सेवा शुरू की थी। इससे पहले वह निजी क्षेत्र में कार्यरत थीं। कोविड-19 काल के दौरान कानून-व्यवस्था के बेहतर प्रबंधन के लिए उन्हें तत्कालीन राज्य सरकार द्वारा सम्मानित भी किया गया था।

टूटी रेलिंग और उखड़ी टाइल्स से बढ़ा हादसे का खतरा

सावन में अमरकंटक के सोनमुड़ा की बदहाली बनी चिंता

अनूपपुर।

मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले स्थित धार्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक में सावन मास के दौरान श्रद्धालुओं और पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही के बीच प्रमुख पर्यटन स्थल सोनमुड़ा की जर्जर हालत चिंता का विषय बन गई है। सुरक्षा रेलिंग टूटने, टाइल्स उखड़ने और अन्य सुविधाओं के क्षतिग्रस्त होने से यहां दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है।

करीब एक दशक पहले लगभग 15 लाख रुपये की लागत से सोनमुड़ा का सौंदर्यीकरण कराया गया था। लेकिन नियमित रखरखाव के अभाव में अब इसकी कई संरचनाएं क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। सीढ़ियों के दोनों ओर लगी लोहे की रेलिंग कई स्थानों पर टूट गई है, जबकि कुछ हिस्सों से पूरी तरह गायब हो चुकी है। वहीं उखड़ी हुई टाइल्स के कारण श्रद्धालुओं और पर्यटकों के फिसलने का खतरा बना हुआ है।

सोनमुड़ा में बनाए गए कैंटीलीवर (दर्शक मंच) के पास लगी स्टील की सुरक्षा ग्रिल भी कई स्थानों से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इसके अलावा सौंदर्यीकरण के दौरान स्थापित प्रकाश व्यवस्था के कई खंभे भी टूटे या उखड़े पड़े हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता और रखरखाव व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार वर्ष 2021 से अब तक प्रसाद योजना के तहत अमरकंटक में लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य कराए गए हैं। इसके बावजूद कई स्थानों पर सुविधाएं समय से पहले जर्जर हो रही हैं। उनका कहना है कि पहले ग्लास ब्रिज की प्रकाश व्यवस्था को भी बंदरों द्वारा नुकसान पहुंचाने के बाद सुधार का दावा किया गया था, लेकिन स्थिति में अपेक्षित बदलाव नहीं दिख रहा है।

सावन के दौरान मां नर्मदा मंदिर, जलेश्वर महादेव धाम सहित छत्तीसगढ़ के रतनपुर और भोरमदेव महादेव जाने वाले बड़ी संख्या में श्रद्धालु अमरकंटक पहुंचते हैं। ऐसे में सोनमुड़ा की मौजूदा स्थिति को देखते हुए स्थानीय लोग समय रहते मरम्मत कार्य कराने की मांग कर रहे हैं, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके।

नगर परिषद अमरकंटक के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) चैन सिंह परस्ते ने बताया कि क्षतिग्रस्त रेलिंग की मरम्मत शीघ्र कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जहां-जहां टाइल्स उखड़ गई हैं, वहां उन्हें भी बदला जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

क्लाइमेट चेंज ने बढ़ाया तापमान, स्पेन में 20 गुना बढ़ी जंगलों की आग

नई दिल्ली। क्लाइमेट चेंज का असर अब सिर्फ बढ़ती गर्मी तक सीमित नहीं है. नई स्टडी में पता चला है कि इसकी वजह से स्पेन और फ्रांस में जंगलों में आग फैलाने वाला मौसम पहले से ज्यादा खतरनाक हो गया है. वैज्ञानिकों ने पुराने मौसम के रिकॉर्ड और आज के मौसम की तुलना की। इसमें पता चला कि इंसानों की वजह से बढ़ रही ग्लोबल वॉर्मिंग ने स्पेन के बीच वाले हिस्से में ऐसे हालात 20 गुना और फ्रांस के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में 2 गुना बढ़ा दिए हैं. यही वजह है कि इन इलाकों में जंगल की आग तेजी से फैल रही है और उसे बुझाना मुश्किल हो रहा है। स्पेन और फ्रांस में इस समय कई जगह जंगलों में भीषण आग लगी हुई है. आग की वजह से बड़ी संख्या में लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं और हजारों हेक्टेयर जंगल जल चुके हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि जब बहुत ज्यादा गर्मी, लंबे समय तक सूखा और तेज हवा एक साथ होती है, तब आग बहुत तेजी से फैलती है. ऐसे मौसम को 'फायर वेदर' यानी आग फैलाने वाला मौसम कहा जाता है। यह स्टडी वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन के वैज्ञानिकों ने की है. इसमें पुराने और नए मौसम के आंकड़ों की तुलना की गई. अब दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में ऐसे हालात करीब 20 साल में एक बार

बन सकते हैं. वहीं, स्पेन के बीच वाले हिस्से में ऐसे हालात हर 6 साल में एक बार बनने की आशंका है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अब पहले के मुकाबले ज्यादा बार ऐसा मौसम बन रहा है, जिसमें गर्मी ज्यादा होती है, बारिश कम होती है और तेज हवा चलती है।

गाजियाबाद में 5000 करोड़ का घोटाला: दो कंपनियों पर लगे आरोप

गाजियाबाद। कवि नगर थाने में वैदिक आयुरक्योर कंपनी और एक्सिस ई-कॉर्पोरेशन के खिलाफ पांच हजार करोड़ रुपये के बड़े घोटाले का मामला दर्ज किया गया है। अधिवक्ता महेश कुमार वर्मा की शिकायत पर दस लोगों को नामजद किया गया है। इन पर लोगों को निवेश के नाम पर ठगने का आरोप है। एसीपी कविनगर सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि अधिवक्ता महेश कुमार वर्मा के मुताबिक कंपनियों ने नौ हजार रुपये की आईडी पर प्रतिमाह 1100 रुपये और घरेलू सामान पर 33 फीसदी छूट का वादा किया था। शुरुआत में निवेशकों को लाभ मिला, जिससे उनका विश्वास बढ़ा। पंकज सोनी सेठ ने गाजियाबाद में कई बैठकें आयोजित कीं। कंपनियों ने विश्वास जमाने के लिए ग्रोसरी की दुकानें भी खोलीं। निवेशकों से ग्रोसरी स्टोर के नाम पर लाखों रुपये के समझौते किए गए। बाद में कंपनियां धीरे-धीरे गायब हो गईं और निवेशकों का पैसा हड़प लिया। महेश वर्मा का आरोप है कि कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फैजान खान पर दुबई भाग गए हैं। वह व्हाट्सएप के माध्यम से वीडियो भेजकर निवेशकों को पैसे वापस मिलने का आश्वासन दे रहा है। हालांकि कंपनी ने अपना ऑनलाइन सिस्टम भी बंद कर दिया है। फैजान खान सहित कुल दस लोगों को इस धोखाधड़ी का मुख्य षडयंत्रकर्ता बताया गया है। इनके खिलाफभारत के कई जिलों में भी एफआईआर दर्ज हैं। शिकायतकर्ता महेश कुमार वर्मा ने स्वयं 6.50 लाख रुपये का निवेश किया था। उनके अलावा, हरिश हितैषी ने दो लाख रुपये और मांगेराम ने तीन लाख रुपये का निवेश किया। संजय एलआईसी पिलखुवा और उनके स्टाफने करीब 36 लाख रुपये लगाए। आनंद राणा की टीम ने लगभग एक करोड़ रुपये का निवेश किया। गाजियाबाद जिले के सैकड़ों लोगों ने इन कंपनियों में करोड़ों रुपये का निवेश किया था। उपनिरीक्षक हरिओम को मामले की जांच सौंपी गई है।

रूस-यूक्रेन युद्ध में मारे गए भारतीयों के परिवारों की मदद करे केंद्र : सुको

नई दिल्ली/ए। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को निर्देश दिया कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध में हताहत भारतीयों के परिवारों की मदद के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करें। यह अधिकारी परिजनों को शवों की प्राप्ति, DN मैचिंग और रूसी दूतावास के जरिए मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया में मदद करेंगे।

चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने विदेश मंत्रालय (MEA) को यह भी निर्देश दिया कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध में मारे गए या लापता लोगों के परिवारों की मदद करे और पीड़ित परिवारों के सदस्यों और शवों के बीच DNA मिलान की सुविधा उपलब्ध कराए।

पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिलाने में करे मदद

बेंच ने विदेश मंत्रालय से कहा कि वह प्रभावित परिवारों को यहां रूसी दूतावास में मुआवजे का क्लेम करने में मदद करें और सभी जरूरी जानकारी और अपडेट स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध कराए।

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (NALSA) और राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरणों को निर्देश दिया है कि वे पीड़ित परिवारों की हर कानूनी प्रक्रिया में मदद करें। इसमें मुआवजा क्लेम दाखिल करना, जरूरी दस्तावेज तैयार करना, कागजी कार्रवाई पूरी कराना और पार्थिव शरीर की स्वदेश वापसी से जुड़ी औपचारिकताओं में सहायता शामिल है। अदालत ने कहा कि परिवारों को अनावश्यक कानूनी और प्रशासनिक परेशानियों का सामना नहीं करना चाहिए।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश उन लोगों के परिवारों की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिए गए, जिनके परिजन रूस-यूक्रेन संघर्ष में लड़ने के लिए भर्ती होने के बाद कथित तौर पर मारे गए या लापता हो गए थे। इनमें से कई लोगों को ट्रैवल एजेंटों ने धोखा देकर युद्ध में लड़ने के लिए भेजा था।

सुप्रीम कोर्ट के पांच बड़े निर्देश

विदेश मंत्रालय में एक समर्पित नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो पीड़ित परिवारों से सीधे संपर्क में रहेगा।
युद्ध में मारे गए भारतीयों की पहचान के लिए डीएनए सैंपल का मिलान कराया जाएगा।
नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के समक्ष मुआवजा क्लेम दाखिल कराने में विदेश मंत्रालय परिवारों की मदद करेगा।
पीड़ित परिवारों को सभी जरूरी जानकारी और प्रक्रियाएं उनकी मातृभाषा या स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराई जाएंगी।
राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण और राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण परिवारों को मुफ्त कानूनी सहायता देंगे।

NALSA को भी दिया निर्देश

बेंच ने नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (NALSA) और राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरणों को भी निर्देश दिया कि वे परिवारों को उनके रिश्तेदारों के शव वापस पाने और मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया में मदद करे।

जैश का संदिग्ध सदस्य गिरफ्तार आतंकी नेटवर्क की जांच शुरू

बर्दवान। पश्चिम बंगाल के पुरबा बर्धमान जिले में जैश-ए-मोहम्मद के एक संदिग्ध सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। जांचकर्ता एक व्यापक आतंकी नेटवर्क से उसके संभावित संबंधों की जांच कर रहे हैं। यह जानकारी पुलिस सूत्रों ने दी है।

राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने गुरुवार देर रात बर्दवान कस्बे के एक आवासीय परिसर हामिद मंडल को गिरफ्तार किया। वह यहां एक किराए के मकान में रहता था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मंडल पिछले दो से तीन महीनों से कानून प्रवर्तन एजेंसियों की नजरों से बचने के लिए उस फ्लैट में रह रहा था। पुलिस ने बताया कि उसके मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेजों से बरामद सामग्री से पता चलता है कि वह मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के बारे में जानकारी जुटा रहा था। अब जांचकर्ताओं को यह पता लगाने की कोशिश कर रहे है कि क्या वह किसी हमले की योजना बना रहा था। पाकिस्तान स्थित आतंकी समूह जैश-ए-मोहम्मद के एक आत्मघाती हमलावर ने 14 फरवरी, 2019 को पुलवामा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों को ले जा रही एक बस में विस्फोटक से भरी अपनी कार से टक्कर मार दी थी, जिसमें 40 जवान मारे गए थे। पड़ोसी फ्लैट मालिकों ने बताया कि वह व्यक्ति अपने परिवार के साथ लगभग डेढ़ साल से किराए के मकान में रह रहा है।

पुलिस को क्या संदेह है?

पुलिस ने बताया कि मंडल का संबंध पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से होने का संदेह है। इसके साथ ही माना जाता है कि वह सज्जाद भट का करीबी सहयोगी है, जिसे 2019 के पुलवामा आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक माना जाता है। आरोपी को शुक्रवार को बर्दवान की एक अदालत में पेश किया गया।

नेपाल में सांप्रदायिक तनाव गहराया: सुनसरी के बाद सप्तरी में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू

काठमांडू। नेपाल के भारत से सटे तराई क्षेत्र में सांप्रदायिक तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। सुनसरी से शुरू हुई हिंसा अब सप्तरी, धनुषा और सिराहा तक फैल चुकी है। हालात को देखते हुए कई जिलों में कर्फ्यू, निषेधाज्ञा और सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती की गई है। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने शांति बनाए रखने की अपील करते हुए हिंसा की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने तनावपूर्ण स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। दोनों नेताओं ने देशवासियों से शांति, एकता और संयम बनाए रखने की अपील की है। सांप्रदायिक झड़पों के विरोध में लोगों के समूहों द्वारा प्रदर्शन किए जाने के बाद एहतियात के तौर पर सप्तरी जिला प्रशासन कार्यालय ने राजबिराज नगरपालिका के कुछ हिस्सों में शुक्रवार सुबह 8 बजे से अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लागू कर दिया। सप्ताहांत में सुनसरी में सांप्रदायिक झड़पें शुरू होने के बाद से नेपाल के कई जिलों में तनाव का माहौल बना हुआ है। हालात पर काबू पाने के लिए प्रशासन को कर्फ्यू और निषेधाज्ञा लागू करनी पड़ी है, जबकि सुरक्षा बलों की तैनाती भी बढ़ा दी गई है। सप्तरी में कर्फ्यू लगाए जाने के बाद कर्फ्यू वाले जिलों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। सुनसरी, धनुषा और सिराहा जिलों के कुछ हिस्सों में पहले से ही कर्फ्यू लागू है। ये सभी जिले भारत की सीमा से लगे नेपाल के दक्षिणी तराई क्षेत्र में स्थित हैं। अधिकारी हालात को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। अब तक इस हिंसा में तीन लोगों की जान जा चुकी है। रविवार को दो धार्मिक समुदायों के जुलूस और धार्मिक आयोजनों के दौरान हुए विवाद के बाद हालात बिगड़ गए। भिड़ते समूहों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को गोली चलानी पड़ी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई।

बेजुबानों की मौत पर हंगामा, पांच कुत्तों के बाद नंदी की भी मौत, फॉरेंसिक टीम पहुंची'

कानपुर। शहर के चौक सर्राफ स्थित धोबी मोहाल इलाके में अज्ञात अराजक तत्वों द्वारा बेजुबान जनवरों को जहर देकर मारने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बीते कल संदिग्ध परिस्थिति में जहरीला पदार्थ खाने से एक साथ पांच कुत्तों की मौत हो गई थी, जिसके बाद शुक्रवार को उसी जगह पर एक सांड ने भी तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया। लगातार हो रही बेजुबानों की मौत से स्थानीय निवासियों और पशु प्रेमियों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने मौके पर जमकर हंगामा किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, चौक सर्राफ के धोबी मोहाल इलाके में बीते गुरुवार को अज्ञात जहरीला पदार्थ खाने से पांच कुत्तों की अचानक मौत हो गई थी। इस घटना से इलाके में हड़कंप मचा ही था कि शुक्रवार को उसी स्थान पर एक नंदी की भी जहरीला पदार्थ खाने से तड़पकर मौत हो गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि किसी सिरफिरे या अराजक तत्व द्वारा जानबूझकर खाने-पीने की चीजों में जहरीला पदार्थ मिलाकर बेजुबानों को दिया जा रहा है।

लोगों का फूटा गुस्सा, की पोस्टमार्टम की मांग

लगातार दूसरे दिन नंदी की मौत की खबर फैलते ही मौके पर स्थानीय लोगों, व्यापारियों और पशु प्रेमियों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। बेजुबानों की इस तरह हो रही निर्मम मौत से आक्रोशित लोगों ने जमकर हंगामा किया। लोगों ने घटना को अंजाम देने वाले अज्ञात आरोपियों की तत्काल पहचान कर गिरफ्तारी करने और मृत जानवरों के पोस्टमार्टम कराए जाने की पुरजोर मांग की।

फॉरेंसिक टीम ने जुटाए सैंपल, जांच जारी

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाने की पुलिस बल मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। मामले की संवेदनशीलता और साजिश की आशंका को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और संदिग्ध खाद्य पदार्थों के सैंपल एकत्र किए।

सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध गतिविधि का दावा

मिहिर वर्मा ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले पवन वर्मा उर्फपप्पू के मकान और दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में 28 जुलाई की रात करीब एक बजे एक 14 वर्षीय किशोर दो बाल्टियों में कूड़े जैसा संदिग्ध पदार्थ सड़क पर फेंकता दिखाई दे रहा है। उनका कहना है कि फुटेज में उसी मकान में रहने वाला किराएदार मिराज भी पीछे से आता दिखाई दे रहा है। आरोप है कि कुछ देर बाद कई कुत्ते उस पदार्थ को खाने पहुंचे, जिसके बाद एक-एक कर पांच कुत्तों की मौत हो गई।

लगातार तीसरे दिन भी बाजार में तेजी, सेंसेक्स 166 अंक उछला

नई दिल्ली/ए। वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बीच हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। यह लगातार तीसरा कारोबारी सत्र है जब घरेलू बाजार में तेजी देखने को मिली है। सेंसेक्स 166.49 अंक यानी 0.21 प्रतिशत बढ़कर 78,094.64 पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी 50 66.45 अंक यानी 0.27 प्रतिशत उछलकर 24,383.60 पर बंद हुआ। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप दोनों 0.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। सेक्टरवार देखें तो, इसका प्रदर्शन कुल मिलाकर सकारात्मक रहा, जिसमें निफ्टी मीडिया 2 प्रतिशत की बढ़त के साथ सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाला सेक्टर रहा। इसके बाद निफ्टी ऑटो (1.64 प्रतिशत), निफ्टी ऑयल एंड गैस (1 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (0.72 प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू बैंक (0.47 प्रतिशत), निफ्टी हेल्थकेयर (0.33 प्रतिशत) और निफ्टी रियल्टी (0.22 प्रतिशत) का स्थान रहा। वहीं, निफ्टी आईटी में 1.56 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जिससे यह सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र बन गया।

इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी में 1.05 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक चिप शेयरों में उछाल के चलते निफ्टी आईटी की पांच दिन की लगातार बढ़त का सिलसिला टूट गया। निफ्टी 50 इंडेक्स में, बजाज फाइनेंस (8.3 प्रतिशत), बजाज फिनसर्व (6.3 प्रतिशत), जियो फाइनेंशियल (3.7 प्रतिशत) और एमएंडएम (3.3 प्रतिशत) के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा, श्रीराम फाइनेंस, टीएमपीवी, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील और एचडीएफसी लाइफके शेयरों में भी 1 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली, जबकि इसके विपरीत टीसीएस, इटरनल, इंफोसिस, मैक्स हेल्थकेयर, आईटीसी और विप्रो के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली।

उम्र को लेकर कंगना रनौत के दावों को सीजेपी के प्रवक्ता ने बताया गलत

नई दिल्ली/ए। भाजपा सांसद कंगना रनौत और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास के बीच जुबानी जंग जारी है। दास ने अपनी उम्र और अपने करियर के बारे में कंगना के हालिया दावों को गलत बताया है। कंगना की सोशल मीडिया टिप्पणियों का जवाब देते हुए दास ने कहा कि जिन जानकारियों के आधार पर उन्होंने ये बातें कहीं, वे गलत थीं। दोनों के बीच यह विवाद तब शुरू हुआ, जब कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी में दास की पहचान और करियर पर सवाल उठाए। कंगना ने कहा कि उन्होंने इंटरनेट पर दास के बारे में जानकारी देखी थी और दावा किया कि वह 28 साल के हैं, फिर भी खुद को स्टूडेंट बताते हैं।

कंगना की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए सौरव दास ने एएनआई से कहा 'गूगल भी कंगना रनौत को गलत जानकारी देता है। यह बताता है कि मैं 28 साल का हूं, लेकिन असल में मैं 27 साल का हूं। मैं स्टूडेंट भी नहीं हूं, जैसा कि गूगल कहता है। मैं असल में एक पत्रकार हूं और मैंने कभी एक्टिव स्टूडेंट होने का दावा नहीं किया है।' दास ने आगे कहा 'मैं जीवन का विद्यार्थी हूं। हर किसी को ऐसा ही होना चाहिए। इसी तरह हम जीवन में आगे बढ़ सकते हैं। अगर आप जीवन के विद्यार्थी नहीं हैं और उम्र बढ़ने के साथ जीवन से कुछ नहीं सीखते, तो आपको समझदारी भी नहीं आएगी। कंगना को इससे सीखना चाहिए और जीवन का विद्यार्थी बनने की कोशिश करनी चाहिए।'

आपको बता दें कि कंगना रनौत ने हाल ही में कहा था कि दास की उम्र में ही उन्होंने फिल्मों में सफल करियर के साथ दो नेशनल अवॉर्ड जीत लिए थे। उन्होंने कहा कि वह कई काम एक साथ संभालती हैं, जिनमें फिल्म निर्माण, एक्टिंग, प्रोड्यूसिंग, स्क्रीनराइटिंग और एंटरप्रेन्योरशिप शामिल हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को वेटलिफ्टिंग में सिल्वर, लवप्रीत सिंह ने बढ़ाया देश का मान

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को वेटलिफ्टिंग में सिल्वर, लवप्रीत सिंह ने बढ़ाया देश का मान

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को वेटलिफ्टिंग में सिल्वर, लवप्रीत सिंह ने बढ़ाया देश का माननई दिल्ली/ए। भारतीय वेटलिफ्टर लवप्रीत सिंह ने गुरुवार देर रात (भारतीय समयानुसार) कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के 110+ किलोग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर भारत की झोली में एक और पदक डाला। लवप्रीत कुल 388 किग्रा वजन उठाकर गोल्ड मेडल से महज एक किलोग्राम पीछे रह गए। न्यूजीलैंड के डेविड लिटी ने 389 किग्रा के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि इंग्लैंड के एंड्रयू ग्रिफिथ्स ने 356 किग्रा के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। लवप्रीत सिंह ने स्नैच स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे अधिक 176 किग्रा वजन उठाया। उन्होंने पहले प्रयास में 168 किग्रा और दूसरे प्रयास में 173 किग्रा सफलतापूर्वक उठाया। तीसरे प्रयास में 176 किग्रा वजन उठाकर उन्होंने न्यूजीलैंड के डेविड लिटी पर 10 किग्रा की बढ़त बना ली थी।

क्लीन एंड जर्क में लवप्रीत ने 205 किग्रा और 212 किग्रा वजन सफलतापूर्वक उठाया। इसके बाद उन्होंने 217 किग्रा की अंतिम लिफ्ट का प्रयास किया, लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली। दूसरी ओर, स्नैच में 166 किग्रा वजन उठाने वाले डेविड लिटी ने क्लीन एंड जर्क में 223 किग्रा उठाकर कुल 389 किग्रा का स्कोर बनाया और एक किलोग्राम के अंतर से स्वर्ण पदक जीत लिया। 6 सितंबर 1997 को पंजाब के अमृतसर जिले के बाल सचंदर गांव में जन्मे लवप्रीत सिंह ने वर्ष 2010 में 13 वर्ष की उम्र में वेटलिफ्टिंग की शुरुआत

नव प्रदेश राजरंग...52

चन्नी नवंबर में छोड़ेंगे कांग्रेस

कांग्रेस पार्टी एक तरफनीट पेपर मामले में बीजेपी को घेरने की कोशिश कर रही है, वहीं दूसरी तरफबीजेपी पंजाब के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को घेरने की कोशिश में प्राणपण से जुटी हुई है। पार्टी की बातचीत कांग्रेस के असंतुष्ट नेता और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरण जीत सिंह चन्नी से चल रही है। सूत्र बताते हैं कि चन्नी नवंबर तक कांग्रेस छोड़ सकते हैं। लेकिन वे बीजेपी में शामिल नहीं होंगे। बल्कि वे पांचवा मोर्चा बनाने की कोशिश करेंगे। बीजेपी उनकी इसके लिए मदद करेगी, ताकि वोटों का बंटवारा हो सके। दरअसल पंजाब में अभी चार मोर्चे हैं। पहला मोर्चा निश्चित तौर पर आम आदमी पार्टी का है और दूसरा मोर्चा कांग्रेस का ही है। तीसरा मोर्चा बीजेपी का है। चौथा मोर्चा लंबे समय तक बीजेपी के सहयोग से सत्ता में रही शिरोमणि अकाली दल का है। बीजेपी की सोच है कि अगर वह चन्नी को अपने साथ लाएगी तो हो सकता है कि उससे अंसुष्ट होकर पहले ही बीजेपी में शामिल हो चुके पूर्व कांग्रेसी मसलन सुनील जाखड़, कैप्टन अमरिंदर सिंह नाराज हो सकते हैं। इससे बीजेपी की चुनावी उम्मीदों पर असर पड़ सकता है।

प्रधान के इस्तीफे से परेशानी में बीजेपी और संघ

काकरोच जनता पार्टी के आंदोलन को मोदी सरकार ने चलताऊ ढंग से लिया। उन्हें लगा कि यह आंदोलन अपने आप ही फुस्स हो जाएगा। लेकिन ऐसा हुआ नहीं और संघ के एजेंडे को लागू करने वाले सबसे भरोसेमंद मंत्री के इस्तीफे के बाद ही जाकर खत्म हो गया। इसके बाद संघ में बैठकों का दौर तेज हो गया है। माथापच्ची हो रही है कि आखिर कहां कमजोर रहे कि आंदोलन सफल हो गया। भारतीय जनता पार्टी का दावा है कि वह दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। अगर उसके आधे यानी पांच करोड़ सदस्य भी मैदान में उतर गए होते तो क्या आंदोलन सफल होता? अतीत में मोदी सरकार के खिलाफ जितने आंदोलन हुए हैं, राष्ट्रवादी खेमा सोशल मीडिया, मीडिया और जमीन-तीनों जगह मोदी के साथ खड़ा रहा। इसमें दो राय नहीं कि संघ और बीजेपी का जो कोर वोटर है, जो बौद्धिक मुकाबला कर सकता है, उसमें ज्यादातर लोग सवर्ण तबके के हैं। लेकिन मोदी सरकार के कई फैसलों से यह तबका अब निराश है। यूजीसी की गाइडलाइन के बाद यह एक तरह से चुप ही हो गया है। मोटे तौर पर यह तबका आरक्षण का भी विरोधी है। फिर मोदी सरकार का ब्यूरोक्रेसी पर बहुत भरोसा है। राजनीतिक नियुक्तियां न के बराबर हुई हैं। कोर वोटर की चिंताओं को ना तो संघ देखने को तैयार होता था और न ही बीजेपी। यह वजह रही कि काकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के दौरान राष्ट्रवादी खेमा खड़ा नजर नहीं आया। इसका असर यह हुआ कि सोशल मीडिय से लेकर जमीन तक काकरोच जनता पार्टी आगे रही। रही-सही कसर पीछे से समर्थन देकर आम आदमी पार्टी और वामपंथी पार्टियों के साथ ही भीम आर्मी के सदस्य पूरा करते रहे। पुलिस सूत्र तो बताते हैं कि इस आंदोलन में अल्पसंख्यक कट्टरपंथी तत्वों की भरमार रही। उन्हें रोकने की प्रभावी कोशिश नजर नहीं आई। जब से संघ और बीजेपी को यह फीडबैक मिली है, दोनों चिंतित हैं। अब कार्यकर्ताओं को बौद्धिक नहीं दिया जा रहा, बल्कि उनकी सुनी जा रही है। उन्हें प्रोत्साहित करने और फिर से मैदान में उतारने के लिए मनाया जा रहा है। हो सकता है कि आने वाले दिनों में राजनीतिक नियुक्तियां भी हों और कार्यकर्ताओं को संतुष्ट करने की कोशिश भी हो।

साढ़े दस लाख भी नहीं मिल रहे पंजाब कांग्रेस को

पंजाब की ही बात चली है तो कुछ जानकारी पंजाब के कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल की। बघेल के बारे में पंजाब कांग्रेस के नेता कह रहे हैं कि उन्हें तो रायपुर से ही फुर्सत नहीं है। जबकि पंजाब कांग्रेस में उथल-पुथल जारी है। बघेल के ही नजदीकी हैं विनोद वर्मा। वही वर्मा, जो मुख्यमंत्री रहते भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार थे। विनोद वर्मा कांग्रेस के प्रशिक्षण सेल के प्रभारी हैं। उन्हें विधानसभा चुनावों के लिहाज से पंजाब कांग्रेस के प्रवक्ताओं और कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण का जिम्मा मिला। वर्मा जी ने प्रशिक्षण के लिए साढ़े दस लाख रूपए का एस्टीमेट पार्टी के कोषाध्यक्ष को दिया तो यह खर्च पंजाब कांग्रेस को दे दिया गया। पंजाब की कांग्रेस कमेटी ने पैसे की कमी के चलते इतना रकम देने में असमर्थता जता दी। तब वर्मा जी से कहा गया कि पंजाब के पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखवीर सिंह सुक्खू ये पैसे दे देंगे। जब सुक्खू से संपर्क किया गया तो उन्होंने भी इतनी रकम देने से असमर्थता जता दी। तो क्या मान लिया जाए कि पंजाब के लिए कांग्रेस के पास पैसा नहीं है? फिलहाल तो ऐसा ही लग रहा है। बताया जा रहा है कि बघेल जी को भी इसकी जानकारी है। लेकिन वे भी कुछ कर नहीं पा रहे। वैसे चाहें तो पंजाब कांग्रेस या कांग्रेस का कोई भी बड़ा नेता खुद के दम पर इतना खर्च कर सकता है। लेकिन लगता है कि कांग्रेसियों को लगता है कि उपले में कौन घी डालने जाए। नेता खर्च वहीं करते हैं, जहां उम्मीद होती है। तो क्या यह मान लिया जाए कि कांग्रेस और उसके नेताओं को नहीं लगता कि पंजाब में वे आम आदमी पार्टी को मात दे सकते हैं। महज साढ़े दस लाख की रकम की कमी तो यही बता रही है।

बीस मार्च को ही इस्तीफा दे चुके थे प्रधान!

बीजेपी और सरका से जुड़े सूत्र बताते हैं कि 20 मार्च को संसद मार्च के दिन हुए लाठी चार्ज के बाद ही धर्मेंद्र प्रधान ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि उन्होंने उसे अमित शाह को दिया था। तब अमित शाह ने उनके इस्तीफे को रोक लिया था। चूंकि धर्मेंद्र प्रधान बीजेपी में संघ के आदमी के माने जाते हैं। अमित शाह ने तर्क दिया कि अगर प्रधान ने इस्तीफा दिया तो संघ की बदनामी होगी और इस्तीफे को प्रधानमंत्री तक नहीं पहुंचाया गया। लेकिन संसद मार्च के दिन के लाठी चार्ज का मामला तूल पकड़ने लगा तो प्रधानमंत्री मोदी ने कमान अपने हाथ में ले ली। खुद सेल्फी मोड में वीडियो बनाकर नौजवानों को संबोधित किया। इसके बाद उन्होंने शरद पवार का सहयोग लिया। मराठी कनेक्शन के जरिए पवार ने जंतर-मंतर पहुंचकर अभिजीत दीपके से मुलाकात की। इसके बाद बातचीत की राह खोली गई। बातचीत के लिए जगत प्रकाश नड्डा और जितेंद्र सिंह को अधिकृत किया गया। बाकी मामला सामने है। जंतर-मंतर का धरना खत्म हो चुका है।

श्रेय लेने की जंग

काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के पहले कांग्रेस उनके आंदोलन में उतरने को तैयार ही नहीं थी। सोनम बांगचुक से तमाम विपक्षी पार्टियों के नेता मिलने के लिए जंतर-मंतर पहुंचे, लेकिन कांग्रेस का बड़ा नेता नहीं पहुंचा। आंदोलनकारी चाहते थे कि वांगचुक से मिलने राहुल गांधी जंतर-मंतर पहुंचें। लेकिन राहुल की बजाय पवन खेड़ा पहुंचे। इसे लेकर सोशल मीडिया पर राहुल पर खूब सवाल भी काकरोच जनता पार्टी की ओर से उठाए गए। लेकिन कांग्रेस टस से मस नहीं हुई। दरअसल उसे लगता ही नहीं था कि यह आंदोलन जोर पकड़ पाएगा। दूसरी बात, कांग्रेस को पता था कि आंदोलन को पीछे से आम आदमी पार्टी का समर्थन मिल रहा है। कुछ ही महीने बाद पंजाब में उसी आम आदमी पार्टी के सामने कांग्रेस को चुनावी मैदान में उतरना है। कांग्रेस इसलिए भी बच रही थी। कांग्रेस तो चाहती थी कि हर हाल में आंदोलन खत्म हो जाए। वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाने के बाद एक बड़े कांग्रेसी नेता ने कुछ बड़े पत्रकारों से पूछ लिया था कि अमित शाह का सलाहकार कौन है? उन्होंने यहां तक कह दिया था कि वांगचुक को अनशन पर बैठने के हफ्तेभर भीतर ही उठा लेना था। लेकिन संसद मार्च के दौरान हुए लाठी चार्च के बाद कांग्रेस का रवैया बदल गया। राहुल गांधी खुद पीएम हाउस प्रदर्शन करने पहुंच गए। इससे आम आदमी पार्टी बौखला गई। उसे लगा कि आंदोलन का पूरा श्रेय कांग्रेस न ले ले। राहुल और मोदी के बीच धरने को लेकर सांठ-गांठ के आरोप वाला ट्वीट संजय सिंह ने लगाया ही था। यह बात और है कि राहुल की हठधर्मी और उनकी हिरासत से मामले को और तूल मिली और आंदोलन देखते ही देखते बड़ा हो गया। इसमें दो राय नहीं है कि वांगचुक को हटाए जाने के पहले तक जंतर-मंतर पर बड़ा धरना नहीं हो रहा था। लोग आते भी नहीं थे। लेकिन ऐन मार्च के दो दिन पहले वांगचुक को उठाने का संदेश यह गया कि सरकार मार्च से डर गई। फिर जो नौजवान जहां था, वहीं से जंतर-मंतर आने लगा। बाकी का इतिहास सबके सामने है।

राजदार

विक्टोरिया में दंत चिकित्सकों की इमरजेंसी ड्यूटी पर बवाल

सीएमएचओ के आदेश से बढ़ी हलचल, डॉक्टरों में नाराजगी

नवप्रदेश/जबलपुर।

सेठ गोविंददास जिला अस्पताल (विक्टोरिया) में जारी एक प्रशासनिक आदेश ने स्वास्थ्य महकमे में नई बहस छेड़ दी है।

अस्पताल की कैजुअल्टी (इमरजेंसी) में अब दंत चिकित्सकों की भी नियमित ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इस फैसले के बाद अस्पताल परिसर में चर्चाओं का दौर तेज है और कई दंत चिकित्सकों के बीच इस व्यवस्था को लेकर असंतोष की चर्चा सामने आ रही है।

जानकारी के अनुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. नवीन कोठारी ने रोस्टर के आधार पर दंत चिकित्सकों की इमरजेंसी ड्यूटी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आदेश के मुताबिक रोस्टर में शामिल डॉक्टरों को तय समय पर कैजुअल्टी में उपस्थित रहना होगा और अनुपालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कार्रवाई की जा सकती है। सूत्रों का कहना है कि इस निर्णय के बाद कई दंत चिकित्सकों ने अनौपचारिक रूप से अपनी आपत्तियां जताई हैं। उनका तर्क है कि दंत चिकित्सा सेवाएं पहले से निर्धारित ओपीडी व्यवस्था के तहत संचालित होती हैं और इमरजेंसी ड्यूटी का अतिरिक्त दायित्व कार्य व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, इस संबंध में चिकित्सकों की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

दूसरी ओर, अस्पताल प्रशासन का कहना है कि कई बार दांत से जुड़ी गंभीर चोट, रक्तस्राव या अन्य आपात स्थितियों में मरीज सीधे कैजुअल्टी पहुंचते हैं। ऐसे मामलों में तत्काल विशेषज्ञ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की गई है, ताकि मरीजों को बिना इलाज लौटना न पड़े।

स्वास्थ्य विभाग के आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि रोस्टर का पालन अनिवार्य होगा। यदि कोई चिकित्सक निर्धारित ड्यूटी से अनुपस्थित पाया जाता है या आदेश की अवहेलना करता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह नई व्यवस्था इमरजेंसी सेवाओं को वास्तव में मजबूत करेगी, या फिर डॉक्टरों की नाराजगी के बीच इसे लागू करना प्रशासन के लिए नई चुनौती साबित होगा। फिलहाल पूरे मामले पर स्वास्थ्य विभाग और दंत चिकित्सकों की निगाहें टिकी हुई हैं।

बरसात में कीचड़ से त्रस्त पड़े ग्रामीण, सोन नदी मार्ग हुआ दुर्गम

नव प्रदेश अनूपपुर।

जनपद पंचायत अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत पडौर के वार्ड क्रमांक 9 में मुख्य मार्ग से स्कूल टोला होते हुए बैगन टोला तिराहा से सोन नदी तक जाने वाला सड़क मार्ग बरसात के चलते बदहाल हो गया है।

लगातार हो रही बारिश के कारण सड़क पर कीचड़ और गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिससे ग्रामीणों का आवागमन बेहद कठिन हो गया है।

ग्रामीणों के अनुसार यह मार्ग स्कूल जाने वाले बच्चों, किसानों और सोन नदी किनारे बसे परिवारों के लिए प्रमुख संपर्क मार्ग है। बारिश के दौरान सड़क पर कीचड़ इतना अधिक हो गया है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। कई स्थानों पर पानी भर जाने से सड़क फिसलन भरी हो गई है, जिससे हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं और स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस सड़क की मरम्मत की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने जनपद पंचायत अनूपपुर, ग्राम पंचायत और संबंधित अधिकारियों से मार्ग की तत्काल मरम्मत कराने, मिट्टी, मुरूम एवं बजरी डलवाकर आवागमन सुगम बनाने की मांग की है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो बरसात के दौरान स्थिति और गंभीर हो सकती है तथा किसी बड़ी दुर्घटना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर समस्या का स्थायी समाधान करने की अपील की है।

शहीद उधम सिंह को दी श्रद्धांजलि

नवप्रदेश/ जबलपुर।

अमर शहीद सरदार उधम सिंह के बलिदान दिवस पर शुक्रवार को शहीद भगत सिंह युवा विचार मंच द्वारा कटंगा स्थित भगत सिंह चौक पर श्रद्धांजलि अर्पित की, इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने शहीद उधम सिंह के चित्र पर माल्यार्पण किया, सचिव डिम्पी बिंद्रा ने बताया कि शहीद उधम सिंह ने जलियांवाला बाग नरसंहार के दोषी माइकल ओडायर को इंग्लैंड में दंडित कर अद्वितीय देशभक्ति और साहस का परिचय दिया था, उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए समर्पित कर मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया, कार्यक्रम में अध्यक्ष तजिन्दर सिंह टीटू, सचिव डिम्पी बिंद्रा, काके आनंद, रजिन्दर सिंह छाबड़ा, रविन्दर सिंह चाना, पम्मी चड्डा, गुरुप्रीत सिंह, रंजीत ठाकुर, संजू पाठक, रवि ठाकुर, अशोक राजपूत, रामा भाई, राजू हैरी सहित नागरिक उपस्थित रहें ।

देशी कट्टा, कारतूस सहित आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। गढ़ा पुलिस ने पावर हाउस के पास एमसीएमआर के सामने नेहरु नगर में देशी कट्टा लेकर घूम रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 1 देशी कट्टा एवं 1 कारतूस जब्त किया है। गढ़ा थाना प्रभारी प्रसन्न कुमार शर्मा ने बताया कि गत रात मुखबिर की सूचना पावर हाउस के पास एमसीएमआर के सामने नेहरु नगर में वारदात करने के नियत से घूम रहे कटरा मोहल्ला पाटन निवासी 18 वर्षीय समीर खान उर्फ पाटन को गिरफ्तार कर उसके पास से एक देशी कट्टा एवं एक कारतूस जप्त करते हुये आरोपी के विरूद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया है।

मुंशी प्रेमचंद जयंती मनाई

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय महाकौशल कॉलेज, जबलपुर के हिंदी विभाग द्वारा महान कथाकार एवं उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती श्रद्धा, गरिमा एवं उत्साह के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. ए.सी. तिवारी ने की। कार्यक्रम संयोजक एवं हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. अरुण शुक्ल, हिंदी विभाग की डॉ. तृप्ति उकास एवं श्रीमती लल्लाबाई लोधी ने मुंशी प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके साहित्य में निहित सामाजिक चेतना, नैतिकता और मानवीय मूल्यों पर अपने विचार व्यक्त किए।

कौन बनेगा कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग अध्यक्ष का नया अध्यक्ष

जबलपुर। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग जबलपुर के नए नगर अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर संगठन में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार अध्यक्ष पद की दौड़ में विधायक लखन घनघोरिया के करीबी तौफीक खान चंकी सबसे मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं, जबकि पूर्व नगर अध्यक्ष अशरफ मंसूरी भी प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। संगठन के भीतर फिलहाल इन्हीं दोनों नामों की सबसे अधिक चर्चा है और माना जा रहा है कि नए अध्यक्ष का चयन इन्हीं में से किसी एक के पक्ष में हो सकता है। विगत माह कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की जिला कार्यकारिणी भंग किए जाने के बाद संगठन सृजन अभियान के तहत नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया शुरू की गई थी। इसी क्रम में प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों ने जबलपुर पहुंचकर नेताओं और कार्यकर्ताओं से रायशुमारी की तथा अपनी रिपोर्ट बंद लिफाफे में भोपाल भेज दी है। अब अंतिम निर्णय प्रदेश नेतृत्व को लेना है।

एक और नाम की भी चर्चा: संगठन से जुड़े सूत्रों के अनुसार जाकिर हुसैन वार्ड नई बस्ती के एक कारोबारी भी अपने परिवार के एक युवा सदस्य के लिए अल्पसंख्यक विभाग नगर अध्यक्ष पद की दावेदारी कर रहे हैं। बताया जाता है कि उनकी पहचान कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी से उनके सक्रिय राजनीति में आने से पहले की है।

जिले में 7 अगस्त से शुरू होगा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान

कलेक्टर ने जनप्रतिनिधियों के साथ की बैठक, हर शुक्रवार फील्ड में रहेंगे अफसर

नवप्रदेश/जबलपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान को लेकर जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई ।

जिसमें उन्होंने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, संवेदनशील और जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान-2026 की शुरुआत की जा रही है। यह अभियान 7 अगस्त 2026 से शुरू होकर 8 जनवरी 2027 तक चलेगा। इस अभियान का मुख्य ध्येय जनता से सीधा संवाद स्थापित करना, समस्याओं का शत-प्रतिशत मौके पर ही निराकरण करना और शासन के पर्यवेक्षण तंत्र को सुदृढ़ बनाना है।

शुक्रवार को नहीं होगी कोई बैठक: कलेक्टर सिंह ने कहा कि प्रत्येक सप्ताह का शुक्रवार पूरी तरह से केवल फील्ड भ्रमण के लिए समर्पित रहेगा। मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, मुख्य सचिव से लेकर कलेक्टर और वरिष्ठ अधिकारी सीधे फील्ड पर जाकर योजनाओं की प्रगति का जायजा लेंगे, साथ ही समस्याओं का निराकरण भी करेंगे। भ्रमण से एक सप्ताह पूर्व ही संबंधित क्षेत्र के सी.एम. हेल्पलाइन,

जन-सुनवाई और लोक सेवा गारंटी के लंबित मामलों की समीक्षा कर उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

संवाद, समाधान पर रहेगा जोर: उन्होंने कहा कि यह संपूर्ण अभियान मुख्य रूप से संवाद, समाधान, संवेदनशीलता और सादगी पर आधारित है। आयोजन के दौरान फिजूलखर्ची, साज-सज्जा और गैर-जरूरी व्यय पर पूरी तरह रोक रहेगी तथा अधिकारियों के वाहनों की पूलिंग की जाएगी। अभियान के दौरान आम नागरिकों के साथ-साथ वृहद, एमएसएमई और कुटीर उद्योग के उद्यमियों के लिए उद्योग संवाद भी आयोजित किए जाएंगे।

20 महत्वपूर्ण विषयों पर रहेगा सीधा फोकस: कलेक्टर सिंह ने कहा कि अभियान के तहत 20 प्रमुख क्षेत्रों में सघन कार्रवाई और निरीक्षण किया जाएगा। इसमें नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा के मामले, किसानों की फार्मर आईडी, आयुष्मान कार्ड, समग्र ई-केवाईसी, प्रधानमंत्री आवास योजना, और जल जीवन मिशन की समीक्षा शामिल है। इसके अलावा आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल-कॉलेज, राशन दुकान, खाद-बीज की उपलब्धता, कानून व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी जनहितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का धरातल पर परीक्षण किया जाएगा।

बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों ने भी अभियान की सफलता के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिये। बैठक में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक सुशील तिवारी इंदु, डॉ. अभिलाष पांडे, सतोष बरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोंटिया, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर भाजपा अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, नगर निगम कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत, एडीएम श्रीमती नीता राठौर और रविशंकर राय सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में अभियान की सफलता के लिए जिला प्रशासन की कार्ययोजना के बारे में विस्तार से जानकारी भी दी गई।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस सिविक सेंटर जबलपुर से मुदित एवं फ्लैट नंबर 402 कौशल्या विहार, नेपियर टाउन, 482001 से प्रकाशित, मो. 6262188999 (न्याय क्षेत्र जबलपुर)।